हिन्दी दैनिक

वेब वार्ता

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर

www.webvarta.in

twitter.com/webvarta

www.facebook.com/webvarta

वर्ष-15 | अंक: 109 | नई दिल्ली, | बुधवार, 22 अप्रैल 2026, | कुल मुद्रित पृष्ठ : 08, | मूल्य: 3.00 | आर.एन.आई. पंजीयन संख्या-2014/56101

एक नजर

अमित जोगी को सुप्रीम-कोर्ट से राहत नहीं

बिलासपुर, 20 अप्रैल (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अब दोनों मामलों की संयुक्त सुनवाई 23 अप्रैल को तय किया है। अमित जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। पहला, जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। अब दोनों मामले की एक साथ सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को अमित जोगी को आइपीसी की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा दी गई थी। 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

उद्घाटन से पहले रिफाइनरी में लगी आग

बाड़मेर, 20 अप्रैल (एजेंसी)। बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया है। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। बता दें मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन करने वाले थे।

3 घंटे हवा में रही हैदराबाद-हुबली फ्लाइट

बेंगलुरु, 20 अप्रैल (एजेंसी)। हैदराबाद से हुबली जा रही एफएलआई 491 की एक फ्लाइट को खराब मौसम के कारण बेंगलुरु डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक सभी 22 यात्री सुरक्षित हैं। फ्लाइट रविवार दोपहर करीब 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। शाम करीब 4:30 बजे हुबली पहुंचने वाली थी, लेकिन खराब मौसम के कारण विमान लैंड नहीं कर सका। फ्लाइट करीब तीन घंटे तक हवा में रही।

हैदराबाद हाउस में भारत-कोरिया वार्ता, संबंधों को नई मजबूती देने पर जोर

पीएम मोदी और ली जे म्युंग की बैठक, रक्षा-व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में अहम द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच विशेष सामरिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। इस खास बैठक के दौरान व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), बैटरी निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए साझा रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इस मुलाकात को भारत-दक्षिण कोरिया विशेष सामरिक साझेदारी को

आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच यह विशेष सामरिक साझेदारी वर्ष 2010 में स्थापित हुई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत कोरियाई कंपनियों के लिए एक प्रमुख निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है। राष्ट्रपति ली जे म्युंग की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को लेकर नई चुनौतियां सामने हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच बढ़ता तालमेल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति ली ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया मिलकर शांति, विकास और साझा समृद्धि की दिशा में एक मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग का भव्य स्वागत, राजघाट पर गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रिश्तों को नई मजबूती देने वाले एक महत्वपूर्ण क्षण में, कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग का सोमवार को नई दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। उनका यह तीन दिवसीय राजकीय दौरा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने वाला माना जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति ली को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। राष्ट्रपति ली के साथ उनकी पत्नी किम ही-क्यूंग भी भारत आई हैं, जिससे इस यात्रा का औपचारिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ गया है। स्वागत समारोह में भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक देखने को मिली, जहां बच्चों ने भारत और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय ध्वज लहराकर अतिथि का अभिनंदन किया।

दिल्ली-यूपी-बिहार में लू का कहर

नई दिल्ली। अगले चार-पांच दिन लू की लपटें झुलसाएंगी। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलेंगी। इन क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में तीन से छह डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा सकता है। विशेषज्ञों ने लू के दौरान दोपहर में घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है। मौसम विभाग (आइएमडी) ने सोमवार को बताया कि इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में लू चलने के आसार हैं। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, गंगा-तटीय बंगाल, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और ओडिशा के कुछ इलाकों में 20 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच अलग-अलग तारीखों में लू की स्थिति रहेगी। मौसम विभाग ने कहा कि गंगा-तटीय बंगाल यानी बंगाल के दक्षिण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 20-26 अप्रैल के दौरान गर्म और आर्द्र मौसम रहने के आसार हैं।

, पुडुचेरी और कराईकल में 20-22 अप्रैल के दौरान, केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में 20-24 अप्रैल तक और गुजरात के तटीय क्षेत्रों में 24 और 25 अप्रैल को लू चलने की आशंका है।

इसके अलावा, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ में 21 अप्रैल को रात गर्म रहने के आसार हैं। ओडिशा में 20 से 22 अप्रैल के बीच लू चलने की आशंका है।

नेशनल हेराल्ड केस में सुनवाई टली

- 25 मई को अगली तारीख; सोनिया-राहुल पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को ईडी ने चुनौती दी है

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी। ट्रायल कोर्ट ने 16 दिसंबर 2025 को सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 दिसंबर को सोनिया, राहुल समेत अन्य आरोपियों को नोटिस जारी किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच कर रही है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सोनिया, राहुल और अन्य ने साजिश के तहत एजेएल की करीब 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जा किया। इसके लिए यंग इंडियन कंपनी का इस्तेमाल किया गया, जिसमें गांधी परिवार की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

श्रीनगर पुलिस ने 6 साल से फरार पाक आतंकी को दबोचा

श्रीनगर , 20 अप्रैल (एजेंसी)। श्रीनगर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक गहरी पैठ वाले अंतरराज्यीय मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और अब्दुल्ला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जो 16 साल से फरार था। अधिकारियों ने अनुसार, राजस्थान में छोटे-मोटे काम करने के बाद अब्दुल्ला ने नलसाजी (प्लंबिंग) का काम शुरू कर दिया, क्योंकि उसे पाकिस्तान से इसके बारे में कुछ बुनियादी जानकारी थी। उसने 2010 में उत्तरी हिस्से से जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की थी। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद रोधी ग्रिड में खरगोश के उपनाम से जाने जाने वाले उमर हारिस के संपर्कों से जुड़ाव के बाद, उसने एक आधार कार्ड और फिर एक स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की, ताकि वह अपने ग्राहकों से डिजिटल भुगतान प्राप्त कर सके।

राहुल की दोहरी नागरिकता केस से हाईकोर्ट जज हटे

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता केस से इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज सुभाष विद्यार्थी ने खुद को अलग कर लिया है। सोमवार को जज ने यह फैसला याचिकाकर्ता की पोस्ट से नाराज होकर लिया है। याचिकाकर्ता ने पोस्ट किया था कि यदि आपने किसी से पैसा लिया है तो उसे वापस कर दें, अन्यथा आपको जेल जाना होगा। हालांकि उसने अपने पोस्ट में जज का जिक्रनहीं किया था।

दरअसल 17 अप्रैल को जज ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया था। अगले ही दिन अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनकी याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट से खारिज हुई थी। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के पास उन्होंने याचिका लगाई थी।

डिजिटल अरेस्ट पर सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता

- पढ़े-लिखे लोग भी बन रहे शिकार
- आरबीआई समेत बैंकों को दिए सख्त आदेश

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई। एक अधिवक्ता ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है, तब भी लगातार ऐसे मामलों का सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा

गुवाहाटी, 20 अप्रैल (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने अब असम में दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत के लिए गुवाहाटी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पासपोर्ट को लेकर विवाद सामने आया है। दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं। दूसरी तरफ, असम पुलिस इस मामले में काफी सक्रिय रही है और पहले हैदराबाद में खेड़ा की तलाश में पहुंची थी। इतना ही नहीं, पुलिस ने दिल्ली स्थित उनके घर पर भी जाकर जांच की थी। अब इस मामले में अगला फैसला गौहाटी हाई कोर्ट में सुनवाई के बाद ही तय होगा, जिससे यह स्पष्ट होगा कि पवन खेड़ा को इस मामले में राहत मिलती है या नहीं।

भारत नेपाल सीमा पर चल रहा है टैक्स वार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। भारत नेपाल सीमा पर टैक्स वार चल रहा है। नेपाल सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर सीमा शुल्क अनिवार्य कर दिया है। जवाब में भारत ने भी सीमा शुल्क बढ़ा दिया है। नेपाल में बालेन शाह की सरकार द्वारा भारत से आने वाले सामान पर सख्ती और नए नियमों ने सीमावर्ती इलाकों में तनाव पैदा कर दिया है। सरकार ने 100 नेपाली रुपये से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी (भंसार) अनिवार्य कर दी है, जिससे स्थानीय लोग नाराज हैं। सालों से सीमा पार के बाजारों पर निर्भर रहने वाले नेपाली नागरिकों का कहना है कि यह फैसला उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और सदियों पुराने रोटी-बेटी के रिश्तों पर चोट है। विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती सख्ती के बीच दोनों देशों के बीच आवाजाही अब पहले जैसी आसान नहीं रही। नेपाल सरकार ने आदेश दिया है कि भारत से लाया जाने वाला 100 रुपये से ज्यादा का कोई भी सामान अब बिना टैक्स दिए सीमा पार नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि 100 रुपये में आज के समय में कुछ नहीं आता, यहाँ तक कि एक पैकेट नमक या चीनी लाने पर भी अब उन्हें लंबी कतारों और कागजी कार्रवाई से गुजरना होगा। गरीब परिवारों के लिए यह नियम एक बड़ा आर्थिक बोझ बन गया है, जिसके खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध जताया जा रहा है। नेपाल के सीमा शुल्क विभाग का मानना है कि यह सख्ती राजस्व बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि तस्करी रोकने के लिए है। अधिकारियों का कहना है कि कई तस्कर आम लोगों का सहारा लेकर किस्तों में भारी मात्रा में सामान बिना टैक्स दिए अंदर ले आते हैं।

उधमपुर में सडक हादसा, 21 की मौत

तेज रफ्तार बस का टायर फटा, ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका; 100 फीट नीचे गिरी

उधमपुर, 20 अप्रैल (एजेंसी)। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस जालो के पास सडक से 100 फीट नीचे गिरकर पलट गई। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि मरने वालों की संख्या बढकर 21 हो गई है। घायलों को इलाज के लिए जीएमसी ऊधमपुर लाया जा रहा है। इससे पहले उन्होंने लिखा था कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक

ट्रांसपोर्ट की थी। रेस्क्यू ऑपरेशन तुरंत शुरू कर दिया गया है। घायलों को हरसंभव मदद मुहैया कराई जा रही है। हादसे वाली जगह पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे की वजह बस का ओवरलोड और तेज रफ्तार होना था। घायल यात्रियों से पूछा गया तो वे बोले कि ड्राइवर बहुत तेज बस चला रहा था। बस का टायर फटने से वह स्पीड कंट्रोल नहीं कर सका। जिसके कारण वह करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिर गई। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने क्षतिग्रस्त बस के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया।

पुलिस और अन्य भी जल्द ही बचाव अभियान में शामिल हो गए। उनका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को सुरक्षित निकालना और दुर्घटनास्थल को साफ करना था। देखते ही देखते बस से मलबे से लाशें निकलना शुरू हुई।

आजम और बेटे अब्दुल्ला की 7-7 साल की सजा बरकरार

रामपुर, 20 अप्रैल (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई गई है। रामपुर कोर्ट ने पैन कार्ड फ्रॉड से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में यह फैसला सुनाया। इससे पहले एमपी-एमएलए कोर्ट ने भी दोनों को सात साल की सजा दी थी। इसके खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी।

मामला 2019 का है, जब भाजपा नेता और रामपुर नगर विधायक आकाश सक्सेना ने कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अब्दुल्ला आजम पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी।

पीएम मोदी हताषा में कह रहे कन्या भ्रूण हत्या की बात: खरगे

कांग्रेस ने कहा- यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसी)। शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कन्या भ्रूण हत्या का आरोप लगाया, इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार कर उन्हें हताश बताया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि इस बिल को राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के आरक्षण के उपाय के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं का सशक्तिकरण

नहीं है।

कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि बीते 12 वर्षों में कुछ भी सार्थक न कर पाने वाले हताश और निराश प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने आधिकारिक संबोधन को कीचड़ उछालने और सरासर झूठ बोलन के कुछ नहीं किया। आचार संहिता पहले से ही लागू है और स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कैसे किया। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान का घोर अपमान है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कांग्रेस का 59 बार जिक्र किया और महिलाओं का केवल कुछ ही बार। इससे देश को उनकी प्राथमिकताओं के बारे में पता चलता है। महिलाएं भाजपा की प्राथमिकता नहीं हैं। कांग्रेस है, क्योंकि कांग्रेस इतिहास के सही पक्ष में खड़ी है। कांग्रेस ने हमेशा ही महिला आरक्षण का समर्थन किया है। हम वह पार्टी थे जिसने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया ताकि वह निरस्त न हो जाए।

मिशन ओलंपिक-2036 'विजयी भवः' से होगी दस वर्ष तक के स्कूली बच्चों की प्रतिभा पहचान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने 'मिशन ओलंपिक 2036- विजयी भवः' कार्यक्रम के तहत 8 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को तराशने के लिए प्रतिभा पहचान कार्यक्रम शुरू किया है। साथ ही, 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन स्पोर्ट' पहल के तहत जिला स्तर पर प्रतिभा खोज अभियान चलाया जाएगा, ताकि अंबाला से नूंह तक हर जिले की प्रतिभाओं को समान अवसर मिल सके। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने चंडीगढ़ में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खेल, प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण और उच्च शिक्षा से संबंधित राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। अनुराग रस्तोगी ने कहा कि राज्य की प्रगति का पैमाना पारदर्शी, तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित प्रशासन है। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने बताया कि राज्य ने आंगनवाड़ी केंद्रों को जन्म से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए गुणवत्तापरक प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेशभर में 4,000 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों में प्री-स्कूल शिक्षा किट, शैक्षणिक खिलौने, फर्नीचर, स्वच्छता सामग्री और आरओ पेयजल सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैं।

खर्च रजिस्टर न देने पर 18 उम्मीदवार अयोग्य घोषित

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम चुनाव 2020 में तय समय पर चुनाव खर्च रजिस्टर जमा न कराने वाले 18 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि ये सभी उम्मीदवार अब नगर निगम सोनीपत चुनाव 2026 में नामांकन दाखिल नहीं कर सकेंगे। यह फैसला राज्य निर्वाचन नियमों के अनुसार लिया गया है ताकि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनी रहे। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि चुनाव में हिस्सा लेने वाले हर उम्मीदवार के लिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। खर्च रजिस्टर जमा करना चुनाव प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। जिन उम्मीदवारों ने यह रजिस्टर तय समय सीमा में जमा नहीं करवाया, उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें अयोग्य घोषित किया गया है। प्रशासन का उद्देश्य साफ और निष्पक्ष चुनाव करवाना है। अयोग्य घोषित उम्मीदवारों में विकास, राजेश कुमार, रमेश कटारिया, विनोद, सतनारायण, सुनिता, सुरेश कुमार, दीपक कुमार, मंजू, साधु, अशोक, सुनिता, राकेश, राकेश, नरेन्द्र, चंद्र कुमार, राज कुमार और सोमबीर शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि भविष्य में भी चुनाव नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विपक्षी दलों की तुच्छ सोच से गिरा नारी शक्ति वंदन अधिनियम : नेहा धवन

हिसार। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम गिरने को कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की तुच्छ सोच का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने यह अधिनियम गिराकर देश की आधी आबादी से उसका हक छीना है। नेहा धवन पार्टी जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल का दिन देश के इतिहास में ऐतिहासिक हो सकता था और स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता था लेकिन कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की गलत मंशा के कारण यह दिन काले अक्षरों में लिखा गया। कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाओं को उनका हक मिले और महिलाएं आगे आएं। उन्होंने कहा कि लगभग 60 साल तक देश में कांग्रेस का राज रहा लेकिन एक ही परिवार या उससे जुड़ी महिलाओं के अलावा सामान्य परिवारों से जुड़ी महिलाओं को आगे नहीं आने दिया गया। यह कांग्रेस की सोच है। कांग्रेस के इस कृत्य में ममता बनर्जी व सपा ने भी पूरा साथ दिया।

गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार, 57 फीसदी उठान पूरा

नारनौल। जिले में रबी सीजन के दौरान गेहूं और सरसों की खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक कुल 13113.27 मीट्रिक टन गेहूं की आवक मंडियों में हो चुकी है, जिसमें से 12841.39 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर की जा चुकी है। वहीं सरसों की आवक भी संतोषजनक रही है। कुल 15750.70 मीट्रिक टन सरसों मंडियों में पहुंची, जिसमें से 15695.10 मीट्रिक टन की खरीद व्यापारियों द्वारा की गई है। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने अटेली की अनाज मंडी का दौरा कर खरीद व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मंडी में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने गेटपास व्यवस्था की भी विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए। मंडी अधिकारियों और संबंधित विभागों के कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

हिसार में बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, सलाहाकार नियुक्ति को मंजूरी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हिसार में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने व नए शहरों के लिए प्रोग्राम मैनेजर के तौर पर काम करने हेतु सलाहाकार की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह फैसला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में तीन एजेंडे रखे गए जिसमें से दो एजेंडों को अंतिम रूप दिया गया। अब हिसार में बनने वाले मेन्यूफक्चरिंग हब पर कार्य आरम्भ हो जाएगा और जनता को इस हब का जल्द ही लाभ मिलना शुरू हो सकेगा। सरकार ने इन नए शहरों को विकसित करने के लिए सलाहाकार नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की गई। यह तीन साल तक इन हबों के लिए कार्य करने के साथ ही पूर्ण निगरानी रखेंगे।

बैठक में हरियाणा बिजली वितरण निगम के 220 केवी के ट्रांसफार्मरों के लिए एसएफ 6 गैस सर्कट ब्रेकर की खरीद को अनुमति प्रदान की गई। इन ट्रांसफार्मरों के लिए 41 गैस सर्कट ब्रेकर खरीदें जाएगें ताकि किसी भी आपात स्थिति में इनकी नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जा सकेगी। बिजली वितरण निगम को लगभग 918.4 लाख रुपए की लागत से सर्कट ब्रेकर खरीदे जाएगें। हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

लेफ्टिनेंट अभिमन्यु बैनीवाल बने सेना की मेडिकल कोर में कैप्टन

एजेंसी

हिसार। डोभी गांव निवासी एवं आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट अभिमन्यु बैनीवाल पदोन्नत होकर कैप्टन बन गए हैं। अब वे जम्मू कश्मीर में सेना की मेडिकल कोर में देश सेवा करेंगे। उनके कैप्टन बनने से परिवारजनों और रिश्तेदारों व गांव में खुशी का माहौल है। उनके पिता भूतपूर्व वायु सैनिक एवं कन्या गुरुकुल डोभी के कुलपति आचार्य बलजीत सिंह आर्य, उनकी माता राजबाला शास्त्री व चाचा परमजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि अभिमन्यु ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे से एमबीबीएस करके उपरोक्त पदोन्नति प्राप्त की है। अब वे कैप्टन बन गए हैं और जम्मू कश्मीर में अपनी सेवाएं देंगे। उल्लेखनीय है कि डोभी गांव के होनहार युवक अभिमन्यु बैनीवाल ने एएफएमसी पूणे से एमबीबीएस किया और आर्मी मेडिकल कोर में भर्ती होकर अपने माता पिता का सपना साकार किया। बाद में उन्हें आर्मी मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्ति मिल गई। परिवारजनों के अनुसार अभिमन्यु शुरू से ही होनहार रहे हैं। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में अध्ययनरत रहते

हुए सातवीं कक्षा में अभिमन्यु ने पहली बार जिमनास्टिक नेशनल चैम्पियनशिप में प्रतिभागिता की और तीन बार जिम्नास्टिक खेल में राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए स्वर्ण एवम् कांस्य पदक जीत कर देश, प्रदेश व गांव का नाम भी रोशन किया। अब अभिमन्यु के कैप्टन बनने से परिचितों में और गांव में खुशी का माहौल है।

रणबीर गंगवा के निर्देश : जलभराव से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत हो तेज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने अधिकारियों को हिसार खानक रोड की विशेष मरम्मत करवाए जाने के निर्देश दिए हैं। यह सड़क मार्ग अधिक जलभराव के कारण से हिसार की सीमा में कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था। सडक़ की विशेष मरम्मत के लिए एक करोड़ 15 लाख 22 हजार रुपये की राशि का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, जिसे जल्द ही सरकार से अनुमति मिल जाएगी। इसके उपरांत हिसार सीमा मे खानक रोड की विशेष मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसी प्रकार से पातन से मुकलान-रावलवास सडक़ मार्ग की विशेष मरम्मत के निर्देश भी मंत्री रणबीर गंगवा द्वारा दिए गए हैं। यह सडक़ मार्ग भी अत्यधिक जलभराव के कारण कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया था। कैबिनेट मंत्री के निर्देशों पर 69 लाख 87 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे भी सरकार की स्वीकृति हेतु भेज दिया गया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

ने बताया कि क्षेत्र में अत्यधिक बरसात के उपरांत हुए जलभराव के कारण से कई सडक़ मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिन्हें नियमों में ढील देकर चरणबद्ध ढंग से ठीक करवाया जा रहा है।

देवेंद्र सिंह कल्याण ने चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को दिए स्पष्ट निर्देश

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकुला में आयोजित बैठक में सामान्य, पुलिस एवं व्यय (E&penditure) पर्यवेक्षकों के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा करते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें तथा मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से नकदी, शराब, कपड़े या अन्य प्रलोभनों के वितरण पर सख्त नजर रखें। अवैध हथियारों, आपराधिक तत्वों एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ जहां ईवीएम मशीनें

रखी गई हैं, उन स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि पर्यवेक्षक जिला प्रशासन की तैयारियों का निरंतर आकलन करें और किसी भी कमी को तुरंत आयोग के संज्ञान में लाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षक चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक अपने कार्यस्थल पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक के ठहरने के स्थान और मोबाइल नंबर की जानकारी प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए आमजन तक उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि कोई भी मतदाता, उम्मीदवार या राजनीतिक दल अपनी शिकायत सीधे पर्यवेक्षक तक पहुंचा सके। पर्यवेक्षक सभी पक्षों के लिए सुलभ रहेंगे और प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि मतदान कर्मियों और ईवीएम की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में ही की जाएगी। पर्यवेक्षक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर मतदान केंद्रों पर कानून-व्यवस्था और मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा करेंगे तथा चुनाव अवधि के दौरान मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। व्यय पर्यवेक्षकों के लिए विशेष निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन से लेकर परिणाम घोषणा तक अपने चुनाव खर्च का दिन-प्रतिदिन सही लेखा-जोखा रखना अनिवार्य है। सभी खर्च जैसे वाहन, ईंधन, प्रचार सामग्री, विज्ञापन, भोजन-पानी एवं अन्य चुनावी गतिविधियों पर होने वाला व्यय निर्धारित सीमा के अंतर्गत ही होना चाहिए। निर्धारित सीमा से अधिक खर्च या सही विवरण प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित प्रावधानों के तहत अयोग्यता की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि व्यय पर्यवेक्षक प्रत्येक प्रत्याशी के खर्च का नियमित निरीक्षण करें और कम से कम प्रत्येक तीन दिन में लेखा का परीक्षण सुनिश्चित करें।

महिलाओं के अधिकार में फिर रोड़ा बनी कांग्रेस : रेखा शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की माताओं, बहनों और बेटियों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के अधिकारों को कभी दया का विषय नहीं माना, बल्कि इसे न्याय का विषय बताया है। यह विधेयक महिलाओं को उनकी निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करता है। रेखा शर्मा पंचकूला पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रही थी। रेखा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करके एक बार फिर कांग्रेस ने रोड़ा अटकाया है। रेखा शर्मा ने कहा कि वर्षों तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया, जबकि वर्तमान सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित कर देश की आधी आबादी को उनका अधिकार देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और समान

भागीदारी का राष्ट्रीय संकल्प है। रेखा शर्मा ने आगे कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण, जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है, परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। इसके बावजूद विपक्ष द्वारा इसे अलग करने की भ्रामक कोशिश करना महिलाओं के अधिकारों को अनावश्यक रूप से टालने का प्रयास है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक अवसर आया, तब भी विपक्ष ने सकारात्मक सहयोग के बजाय भ्रम फैलाने की राजनीति को प्राथमिकता दी। सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में स्पष्ट रूप से कहा था कि महिलाओं को उनका अधिकार दिया जा रहा है, कोई उपहार नहीं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया था कि इस ऐतिहासिक विधेयक को पारित होने दें और इसका श्रेय भी लें, लेकिन विपक्ष ने इस सकारात्मक अवसर को ठुकराकर महिलाओं के अधिकारों को पुनः टालने का काम किया।

उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, सुरक्षा, खेल, उद्यमिता और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। ऐसे समय में उन्हें निर्णय-निर्माण की सर्वोच्च संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना समय की मांग भी है और लोकतंत्र की आवश्यकता भी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, रंजीता मेहता, परमजीत कौर, अनुराधा पुरी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी ने एक स्वर में इस अधिनियम का समर्थन करते हुए कहा कि यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर यह भी बताया गया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में व्यापक जनजागरण अभियान निरंतर चलाया जाएगा, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी पहुंचे और अधिक से अधिक महिलाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित हों। यह अधिनियम केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

आगामी मानसून से पहले बाढ़ प्रबंधन को लेकर सरकार सतर्क : श्रुति चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए विभागीय अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रबंधन को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि बाढ़ संबंधी सभी कार्यों के लिए इस सप्ताह के भीतर निविदाएं (टेंडर) आमंत्रित की जाएं, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य का भुगतान एसई, एक्सईएन, जेई और संबंधित सरपंचों द्वारा सत्यापन के बाद ही किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। श्रुति चौधरी ने कहा कि गाद निकालने के कार्यों में लापरवाही न हो, इसके लिए मुख्यालय स्तर से एक विशेष टीम का गठन करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह टीम विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करेगी और समय-समय पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने पाइप, पंप, रेत की बोरियां एवं अन्य आवश्यक

सामग्री की खरीद में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मानसून से पहले सभी नहरों, ड्रेनों और जल निकासी प्रणालियों की सफाई एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें, ताकि प्रदेश में बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन रामकवार सैनी ने मुख्यमंत्री को एक्शन टेकन रिपोर्ट में सामने आ रही अनियमितताओं के प्रमाण सौंपे

एजेंसी

बहादुरगढ़। सीएम विंडो बहादुरगढ़ के एमिनेंट पर्सन रामकवार सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) में सामने आ रही अनियमितताओं के प्रमाण सौंपे। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि जहां कुछ अधिकारी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, वहीं कुछ मामलों में समस्याओं का वास्तविक समाधान करने के बजाय रिपोर्ट को मनमाने तरीके से तैयार किया जा रहा है और एमिनेंट पर्सन के हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया जाता है। रामकवार सैनी ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि सीएम विंडो की एटीआर रिपोर्ट केवल औपचारिकता न होकर जमीनी स्तर पर समाधान देने वाली होनी चाहिए और इसे समयबद्ध तरीके से तैयार किया जाए।

फौजी के प्लॉट पर कब्जे का मामला उठाया –

मुलाकात के दौरान सैनी ने एक फौजी के प्लॉट पर कब्जे का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि संबंधित मामले में अधिकारियों द्वारा गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जबकि एमिनेंट पर्सन्स ने कार्रवाई की सिफारिश की थी। इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि इस प्रकार की स्थिति में एक सैनिक किस प्रकार निश्चिंत होकर अपनी ड्यूटी निभा पाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं जिनकी रिपोर्ट बार-बार वापस भेजी जाती है, लेकिन उन पर दोबारा कार्रवाई नहीं होती और न ही समयबद्ध समाधान दिया जाता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस प्रकार की शिकायत पहली बार उनके संज्ञान में आई है और इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित शिकायतों को सीएम विंडो के ओएसडी राकेश संधू को भेजने का आश्वासन दिया।

अन-ऑथराइज्ड साइन का भी खुलासा

रामकवार सैनी ने यह भी बताया कि कुछ मामलों में अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर कर शिकायतों को बंद करने की कोशिश की जाती है, जो गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में हर प्रक्रिया ऑनलाइन ट्रैक होती है, इसलिए इस प्रकार की गड़बड़ी छिप नहीं सकती।

अधिकारियों से अपील

रामकवार सैनी ने अधिकारियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे शिकायतों को केवल कागजी कार्रवाई न समझें, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर समाधान करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार जरूरतमंदों को मामूली कारणों से लाभ नहीं मिल पाता, जिससे उनका जीवन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, 'शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही लोकतंत्र का सही अर्थ है।

रामकवार सैनी ने आम जनता से भी अपील की कि वे बेवजह की शिकायतें दर्ज न करें, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को समय पर न्याय मिल सके। पारदर्शिता, ईमानदारी और संवेदनशीलता पर जोर उन्होंने मुख्यमंत्री के उस संदेश को भी दोहराया, जिसमें सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन्स को पारदर्शिता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की बात कही गई थी।

हरियाणा में गर्मी का येलो अलर्ट : 42 डिग्री के पार पहुँचा पारा, 26 अप्रैल से बारिश और ओलों के आसार

एजेंसी

हिसार/चंडीगढ़। हरियाणा में सूर्य देव के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश में 20 से 24 अप्रैल तक हीट वेव (लू) का येलो अलर्ट जारी किया है। नारनौल में तापमान 42.0°C दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। विशेष रूप से दक्षिण और पश्चिम हरियाणा के जिलों में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच लू का असर सबसे ज्यादा रहेगा। नारनौल : 42.0°C (सबसे गर्म शहर)

रोहतक : 41.6°C

सिरसा : 40.6°C

दिन ही नहीं, रातें भी हुईं गर्म

हैरानी की बात यह है कि हरियाणा में अब रातें भी तप रही हैं। रोहतक में न्यूनतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री अधिक यानी 26.0एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों ने इसे 'वार्म नाइट' की स्थिति बताया है, जहाँ दिन की गर्मी के बाद रात में भी राहत नहीं मिल पा रही है।

राहत की खबर : 26 अप्रैल से बदलेगा मौसम

कृषि मौसम विज्ञान विभाग (HAU), हिसार के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि 25 अप्रैल तक मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। हालांकि, 26 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) सक्रिय होने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं और ओले गिरने की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग की सलाह

लू के अलर्ट को देखते हुए विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और सूती व ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है।

सफाई, सडक़ सुधार और प्रदूषण नियंत्रण कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं: प्रदीप दहिया

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था, सडक़ सुधारीकरण तथा प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं की जाएगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप एनुअल एक्शन प्लान में निर्धारित लक्ष्यों को तय समय में पूरा करना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वे अधिकारियों के साथ इन विषयों पर बैठक ले रहे थे।

निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं और गुरुग्राम को स्वच्छ, हरित व प्रदूषण मुक्त बनाने के अभियान में और तेजी लाएं। निगमायुक्त ने समीक्षा बैठक के दौरान शहर में डिविजन वाइज सर्फेस पार्किंग की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सडक़ों पर खड़े वाहनों की संख्या कम करने से ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। बैठक में जीएमडीए अधिकारियों ने जानकारी दी कि जनवरी से मार्च

तक निर्धारित लक्ष्यों के तहत पुलिस विभाग के सहयोग से चार प्रमुख जंक्शन का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है। इनमें पालम विहार चौक, सेक्टर 40/45 चौक, सेक्टर 4/5 चौक तथा सेक्टर 48/49 रोड शामिल हैं। अप्रैल से जून तिमाही के लक्ष्यों के तहत पांच जंक्शनों पर सुधार कार्य प्रगति पर है। इनमें मॉडर्न बाजार मैफील्ड गार्डन, सेक्टर 52 ताऊ देवीलाल पार्क के सामने, सेक्टर 72ए/33 रोड, आर्केडिया रोड तथा सेक्टर 9 चौक शामिल हैं।

बैठक में शहर के ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज में अधिक से अधिक हरियाली विकसित करने पर भी जोर दिया गया। संबंधित विभागों को पौधारोपण और रखरखाव के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इस समीक्षा बैठक में एनएचएआई, जीएमडीए, एचएसवीपी, आरटीए, पुलिस, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारी मौजूद रहे। निगमायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और शहर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

पुलिस ने जीरो टोलरेंस नीति के तहत बदमाश द्वारा किए कब्जे कराए खाली

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की आधा एकड़ जमीन से पुलिस ने कब्जा हटवाया है। आरोपी कब्जाधारी के खिलाफ पुलिस ने जीरो टोलरेंस नीति के तहत यह कार्रवाई की। यह कार्रवाई अपराध शाखा सेक्टर-31 गुरुग्राम, जीएमडीए व डीटीपी ने मिलकर की। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी कब्जाधारी यहां झुग्गियां बनाकर अवैध रूप से लाखों रुपये किराया वसूलता था। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि कादरपुर रोड नजदीक बिरला नाव्या कम्युनिटी सेंटर स्थित सरकारी भूमि पर एक अपराधी द्वारा अवैध कब्जा किया हुआ है। पुलिस ने उसकी पूरी कुंडली खंगाली और पूरी तैयारी के

साथ अवैध कब्जों पर बुल्डोजर चलाने पहुंची। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस कार्रवाई में अपराधी नितेश बंदर निवासी गुरुग्राम को चिन्हित किया गया। आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है, जिनमें मारपीट, छीना झपटी, अपहरण व जबरन वसूली जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि इस अपराधी ने सरकारी जमीन पर अवैध झुग्गी बस्तियां बसाकर कमजोर वर्गों का शोषण किया। उनसे अवैध रूप से किराया वसूला और इन स्थानों का उपयोग संगठित अपराध गतिविधियों के संचालन एवं विस्तार के लिए किया। आरोपी द्वारा जीएमडीए के बांध की आधा एकड़ जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके लगभग 50 झुग्गियां बनाई हुई थी, जिससे वह लगभग पांच लाख रुपये महीना अवैध रूप से वसूलता था।

धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति और कर्मठता का अनुपम संगम : सांसद सुभाष बराला

-सांसद सुभाष ने धन्ना भगत जयंती पर की शिरकत, लाइब्रेरी के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान

टोहाना, 21 अप्रैल। राज्यसभा सांसद सुभाष ने मंगलवार को धन्ना भगत जयंती के पावन अवसर पर संत शिरोमणि श्री गुरु भगत धन्ना जाट सेवा समिति ट्रस्ट धारसूल द्वारा गांव धारसूल में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और ज्ञान से जोड़ने के इस पुनीत अवसर पर, राज्यसभा सांसद ने धारसूल गांव में एक आधुनिक पुस्तकालय (लाइब्रेरी) के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की।

राज्यसभा सांसद सुभाष ने उपस्थित जनसमूह से आत्मीय संवाद करते हुए संत शिरोमणि धन्ना भगत जी के प्रेरणादायी जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति, आस्था और कर्मठता का अनुपम संगम है, जो आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत जी ने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि सच्ची श्रद्धा और ईश्वर के प्रति समर्पण से असंभव भी संभव हो जाता है।

सांसद ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, जो समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे ऐसे आयोजनों से जुड़कर अपने इतिहास और परंपराओं को समझें तथा राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को संत धन्ना भगत जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

सांसद ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार संत-महापुरुषों की शिक्षाओं और उनके जीवन दर्शन को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर सहयोगात्मक कार्य कर रही है। सरकार का यह मुख्य प्रयास है कि हमारे युवा महापुरुषों की गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लें और एक सशक्त, आत्मनिर्भर व संस्कारवान राष्ट्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा, पठन-पाठन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट और जनहितैषी मंच प्रदान करेगा। उन्होंने आयोजन कमेटी को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में महापुरुषों की शिक्षाओं और उनके उच्च आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल लोगों को संत शिरोमणि धन्ना भगत जी के प्रेरणादायी जीवन से जोड़ते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और सेवा भाव को भी बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर महंत संतपुरी जी महाराज, मार्किट कमेटी चेयरमैन रामेहर, वाइस चेयरमैन लाला हेमराज, सरपंच एसोसिएशन प्रधान रणबीर गिल, सरपंच सतगुरु, रणबीर मंडेरना, बलदेव मंडेरना, रमन मड़िया, दलजीत नैन, युवा समिति धारसूल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

केएमपी व मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अवैध पार्किंग पर होगी कार्रवाई - उपायुक्त अखिल पिलानी

एजेंसी

नूंह, 21 अप्रैल - उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि जिला की सीमा से गुजर रहे राष्ट्रीय व राज्यीय राजमार्गों तथा सड़कों पर वाहनों का सुचारू और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इन मार्गों पर अवैध कट, अतिक्रमण, अवैध ढाबे और पैचवर्क से जुड़े कार्यों को जल्द और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म किया जा सके। उपायुक्त ने मंगलवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आम जनजीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी विभाग सक्रिय और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कोई भी अवैध ढाबा संचालित न हो और नूंह जिला सीमा में ट्रकों की अवैध पार्किंग पर पूरी तरह रोक लगाई जाए। इसके लिए संबंधित एसडीएम नियमित रूप से चेकिंग करें और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे जाएं। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे पर अवैध पार्किंग दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। इसी प्रकार केएमपी पर जहां पर भी गड्ढे हैं, उनका पैचवर्क व रिपेयर का कार्य जल्द किया जाए, ताकि इस मार्ग पर कोई सड़क दुर्घटना न हो। अतिक्रमण हटाने व अवैध कटों को बंद करने के लिए चलाएं अभियान उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग-248ए पर स्थित गांव घासेड़ा, फिरोजपुर नमक, रेवासन, मालब, भादस, बड़कली चौक सहित अन्य क्षेत्रों में अतिक्रमण और अवैध कट की समस्या का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नूंह शहर में अडबर चौक से झंडा चौक तक सड़क के दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाने और यह अभियान निरंतर जारी रखने को कहा। इसी प्रकार पिनगवां व पुन्हाना शहरों में भी मुख्य सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि जिला की सीमा से गुजर रहे राष्ट्रीय व राज्यीय राजमार्गों तथा सड़कों पर वाहनों का सुचारू और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ज्योति, एसडीएम कुंवर आदित्य विक्रम, सचिव आरटीए मुनीष सहगल, जीएम रोडवेज प्रदीप कुमार, डीएसपी पृथ्वी सिंह, डीएसपी अजायब सिंह, डीटीपी बिनेश कुमार, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रदीप सिंधु सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार के प्रयासों से सरस्वती नदी में 400 किलोमीटर तक बह रही है स्वच्छ जल की धारा : धुम्मन सिंह किरमच

एजेंसी

गुहला चीका, 21 अप्रैलः हरियाणा सरस्वती हरिटेज बोर्ड के उप चेयरमेन धुम्मन सिंह किरमच ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के मार्गदर्शन में सरस्वती नदी को जीवित रखने के अथक प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा में जहां जहां से सरस्वती नदी गुजरती है वहां पर बने मंदिरों व घाटों के सौंदर्यकरण का तेजी से कार्य किया जा रहा है। इन विकास कार्यों का मुख्य उद्देश्य आमजन प्राचीन धरोहर से जोडऩा व धार्मिक कार्यों के लिए प्रेरित करना है। बोर्ड के उप चेयरमेन धुम्मन सिंह किरमच मंगलवार को हरियाणा पंजाब बोर्डर पर स्थित गांव पिसोल में प्राचीन मां सरस्वती मंदिर परिसर में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समय में हरियाणा सरस्वती हरिटेज बोर्ड का गठन किया गया था। उस वक्त सरस्वती नदी में केवल 10 किलोमीटर में ही पानी चलता था। यह नदी विलुप्त होने के कागार पर थी। पिछले 10 वर्षों के अथक प्रयासों से आज सरस्वती नदी में 400 किलोमीटर में पानी बह रहा है। सरस्वती हरिटेज बोर्ड का मकसद सरस्वती नदी का उत्थान ओर पुनर्जीवित करना है। मुख्यमंत्री नायब सैनी भी सरस्वती नदी को लेकर समय समय पर फीडबैक लेते रहते है और इन स्थानों के विकास के लिए करोड़ों रूपये के बजट को आबंटित करते है।

कांग्रेस विधायक मामन खान सहित कई आरोपी जांच के घेरे में

एजेंसी

नूंह, 21 अप्रैल - जिले में 31 जुलाई 2023 को ब्रजमंडल शोभायात्रा के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े मामलों में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गृह विभाग की मंजूरी के बाद हिंसा से जुड़े दो मामलों में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) की धाराएं दोबारा से जोड़ दी गई हैं। इन मामलों में फिरोजपुर झिरका क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मामन खान सहित कुल 72 आरोपियों को शामिल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, थाना नगीना में दर्ज केस नंबर 148 और 149 में यूएपीए की धाराएं जोड़ी गई हैं। इन मामलों में पहले दिसंबर 2023 में चालान पेश किया जा चुका था और 16 अप्रैल को कोर्ट में सुनवाई की तारीख भी तय थी। हाल ही में कुछ नई गिरफ्तारियां होने और एक विशेष जांच दल के गठन के बाद जांच को नए सिरे से आगे बढ़ाया गया है। इस संबंध में नूंह के पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने भी एक प्रेस वार्ता में जांच के विस्तार की पुष्टि की थी। हालांकि पुलिस की ओर से आधिकारिक रूप से यूएपीए की धाराएं जोड़ने की स्पष्ट पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि इन धाराओं को फिर से लागू किया गया है। इस फैसले से जहां जेल में बंद आरोपियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, वहीं फरार चल रहे आरोपियों पर भी गिरफ्तारी का दबाव बढ़ने की संभावना है। इस मामले में विधायक मामन खान का नाम सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो सकी। वहीं, उनके केस की पैरवी कर रहे वकीलों ने भी इस मुद्दे पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया देने से परहेज किया है। कुल मिलाकर, नूंह हिंसा मामले में यूएपीए की धाराएं फिर से जोड़े जाने की खबर ने पूरे प्रकरण को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है, जिससे आने वाले दिनों में जांच और कानूनी प्रक्रिया और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। आने वाले समय में नूँह क्षेत्र की राजनीति में उबाल आने से इंकार नहीं किया जा सकता।

जिले में 31 जुलाई 2023 को ब्रजमंडल शोभायात्रा के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े मामलों में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है।

सामाजिक कार्यों में पुनीत का विशेष योगदान, विकास और सेवा का बन रहे प्रतीक - चेयरमैन संजय मनोचा

एजेंसी

नूंह, 21 अप्रैल। जिले में सामाजिक सरोकारों और विकास कार्यों के क्षेत्र में युवा समाजसेवी पुनीत का योगदान लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। अपने समर्पण, मेहनत और जनसेवा की भावना के चलते पुनीत ने न केवल वार्ड स्तर पर बल्कि पूरे शहर में एक अलग पहचान बनाई है। पुनीत ने हमेशा समाज के हर वर्ग के लोगों के साथ खड़े होकर उनकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान कराने का प्रयास किया है। चाहे सड़क, सफाई, पानी या अन्य बुनियादी सुविधाओं का मुद्दा हो, उन्होंने हर समस्या को प्राथमिकता से उठाया और संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उसका समाधान सुनिश्चित कराया। हाल ही में पुरानी अनाज मंडी की सड़क के निर्माण कार्य को शुरू करवाने में समाजसेवी पुनीत कुमार, नगर परिषद के चेयरमैन संजय मनोचा तथा पार्षद गौरव का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा। यह सड़क लंबे समय से टेंडर प्रक्रिया में अटकी हुई थी, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इन सभी ने मिलकर इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखते हुए आखिरकार निर्माण कार्य शुरू करवाने में अहम भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुनीत केवल वादे करने वाले नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले सच्चे समाजसेवी हैं। वे दिन-रात क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत रहते हैं और जरूरत पड़ने पर खुद मौके पर पहुंचकर कार्यों की निगरानी भी करते हैं। चेयरमैन संजय मनोचा और पार्षद गौरव के सहयोग से विकास कार्यों को नई गति मिली है, जिससे लोगों में विश्वास और संतोष का माहौल बना है।

इसके अलावा पुनीत ने युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, स्वच्छता अभियान चलाने और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कई सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को एकजुट किया, जिससे समाज में सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिला। पुनीत का मानना है कि विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और ईमानदार प्रयासों से संभव होता है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया हांसी अनाज मंडी का दौरा

महेन्द्र सपड़ा

हिसार : पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा लगातार प्रदेशभर की अनाज मंडियों का दौरा कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने हांसी की मंडी का दौरा किया और किसानों, मजदूर व आढ़तियों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को सुनने के साथ-साथ हुड्डा ने अधिकारियों से भी बातचीत की और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए हुड्डा ने आंकड़ों के साथ बीजेपी को आईना दिखाया। उन्होंने बताया कि 2013 में कांग्रेस सरकार ने 87 लाख मैट्रिक टन से ज्यादा की गेहूं की खरीद करी थी। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, सरकारी खरीद का आंकड़ा लगातार घटता गया। इस बार भी सरकार ने मात्र 72 लाख मैट्रिक टन खरीद का ही टारगेट रखा है, जोकि कुल उत्पादन से बहुत कम है। अगर पैदावार और रकबे की बात करें तो आज भी 2013 वाली ही स्थिति है लेकिन अगर सरकारी खरीद की बात करें तो उसमें भारी गिरावट हो चुकी है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि वो लगातार प्रदेशभर की मंडियों का दौरा कर रहे हैं। हालत यह है कि किसानों को भुगतान में 5 से 8 दिन तक की देरी हो रही है। अभी तक किसानों को 2714 करोड़ में से सिर्फ 741 करोड़ का भुगतान हुआ है। यानी लगभग 1972 करोड़ की पेमेंट अभी भी बकाया है। खरीद एजेंसियों के मुताबिक इस बार लगभग 80 लाख मैट्रिक टन गेहूं मंडियों में पहुंचना है। लेकिन अभी भी लगभग 25 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीद और 27 लाख मैट्रिक टन गेहूं उठान के इंतजार में पड़ा हुआ है। अब तक सिर्फ 16 लाख मैट्रिक टन गेहूं का ही उठान हो पाया है। इसकी वजह है से मंडियों में गेहूं रखने तक की जगह नहीं है। किसान गेहूं को हाईवे, सड़कों और खेतों में रखने के लिए मजबूर हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि सुचारू रूप से खरीद नहीं होने और नई-नई शर्तों के चलते उन्हें भारी परेशानी हो रही है। बीजेपी सरकार ने किसानों पर पहले पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, फिर गेट पास, उसके बाद बायोमेट्रिक, ट्रेक्टर नंबर, वेरिफिकेशन और गारंटर जैसी अनगिनत शर्तें थोपी। यही वजह है कि मंडी में फसल की आवक जोरों पर है, लेकिन खरीद न के बराबर हो रही है। महिला आरक्षण पूछे गए सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि यह बिल 2023 में ही पास हो चुका था, जो कानून बन चुका है। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल 20 सितंबर 2023 को 454 वोटों से पास हुआ था। भाजपा अगर महिला हितैषी होती तो 2023 में ही इसे लागू कर देती। लेकिन उसने डिलिमिटेशन को जोड़कर बिल को उलझाने की कोशिश की।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी को याद दिलाया कि महिला आरक्षण की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। स्व. राजीव गांधी ने सबसे पहले महिलाओं को पंचायती राज में आरक्षण दिया था। उसके बाद यूपीए सरकार के दौरान भी संसद में आरक्षण का बिल लाया गया लेकिन उस समय विपक्ष ने कांग्रेस का साथ नहीं दिया। लेकिन जब बीजेपी यह बिल लेकर आई तो कांग्रेस ने जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते, सबसे पहले इसका समर्थन किया। पुलिस द्वारा पूर्व उप-मुख्यमंत्री का काफिला रोकने जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि जेजेपी और इनेलो बीजेपी की ही टीमें हैं। दोनों दल सरकार के साथ सिर्फ नूरा कुश्ती करते हैं, ताकि जनता में भ्रम फैलाया जा सके।

अनाथालय मोहम्मदपुर अहीर में विशेष योग शिविर का आयोजन, बच्चों व आमजन को कराया जा रहा योग

एजेंसी

नूंह, 21 अप्रैल - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में 75 दिन पूर्व विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयुष विभाग नूंह एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में अनाथालय मोहम्मदपुर अहीर में 19 से 24 अप्रैल तक 6 दिवसीय विशेष योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर डॉ. यशबीर गहलावत, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 7 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक जिला स्तर पर दिव्यांगजनों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष योग शिविरों की श्रृंखला चलाई जा रही है। अनाथालय मोहम्मदपुर अहीर में आयोजित इस शिविर के दौरान आयुष विभाग नूंह के आयुष सहायकों द्वारा अनाथ बच्चों एवं स्थानीय लोगों को नियमित योगाभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है। जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. मनोज कुमार एवं योग विशेषज्ञ डॉ. रामावतार शर्मा ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को योग से जोड़ना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस शिविर के उपरांत आंगनवाड़ी केंद्र, नूंह में भी योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लेकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

अनमोल वचन

एजेंसी

हेलमेट पहना है परिवार के लिए,
अपनों के सच्चे प्यार के लिए।
न चालान के डर से,
न किसी दबाव के लिए,
ये सिर्फ आपकी सुरक्षा के ख्याल के लिए।
ये जीवन सिर्फ आपका नहीं,
किसी का संसार है, आपकी सलामती में ही उनका हर त्यौहार है।
सफ़र में हेलमेट ज़रूर पहन जाइए,
ज़िंदगी अनमोल है - इसे बचाइए ।

:- आईपीएस, डॉ अर्पित जैन।

गत विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन करने वाले लोग आज मुझे भाजपा से निष्कासित करवाने की साजिश रच रहे हैं:- निशा सैनी

एजेंसी

फिरोजपुर झिरका, 21 अप्रैल। फिरोजपुर झिरका से भाजपा मंडल अध्यक्ष निशा सैनी ने पार्टी के भीतर चल रही गतिविधियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली को टैग करते हुए एक शिकायत भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। निशा सैनी ने कहा कि वह पिछले 18 वर्षों से पार्टी की ईमानदारी से सेवा कर रही हैं, लेकिन कुछ लोग उनकी छवि खराब करने की साजिश रच रहे हैं। उनका आरोप है कि इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी का विरोध करते हुए कांग्रेस उम्मीदवार का अंदरूनी समर्थन किया था। स्थानीय भाजपा प्रत्याशी से भी सारे मामले की जांच की जाए। अब वही लोग उन्हें पार्टी से निष्कासित कराने के प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ लगातार माहौल बनाया जा रहा है और उन पर पद छोड़ने का दबाव डाला जा रहा है। साथ ही उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया जा रहा है, जिससे उनके पारिवारिक जीवन पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के भीतर कुछ लोग नेतृत्व का नाम लेकर उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं।

निशा सैनी ने मांग की है कि यदि उनके कार्य में कोई कमी है तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए और जो भी निर्णय हो, वह उसे स्वीकार करेंगी। साथ ही उन्होंने ऐसे लोगों की पहचान कर कार्रवाई की भी मांग की है, जो पार्टी में रहकर विपक्ष का समर्थन करते हैं।

कहीं प्यासे लोग, कहीं सड़कों पर बहता पानी: हथीन के गांवों में पेयजल व्यवस्था पर सवाल

एजेंसी

हथीन, 21 अप्रैल। भीषण गर्मी के बीच जहां एक ओर लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पानी की बर्बादी की तस्वीरें प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर रही हैं। हथीन उपमंडल के गांव खेडली ब्राह्मण और हुडीथल में ऐसा ही विरोधाभासी नजारा देखने को मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार खेडली ब्राह्मण स्थित वाटर टैंक से पानी ओवरफ्लो होकर खेतों और रास्तों में बह रहा है, जबकि पास के ही हुडीथल गांव में लोगों को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हूचपुरी से दोनों गांवों के वाटर टैंकों में सप्लाई दी जाती है, लेकिन खेडली के टैंक का पानी अक्सर व्यर्थ बह जाता है।

हुडीथल गांव के पप्पू, अशोक कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि खेडली गांव का टैंक भरने के बाद भी संबंधित वाल्व बंद नहीं किया जाता, जिसके कारण पानी लगातार ओवरफ्लो होता रहता है। इसका सीधा असर हुडीथल की पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है, जहां टैंक पूरी तरह भर ही नहीं पाता। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि हुडीथल गांव आबादी के लिहाज से बड़ा है, जबकि खेडली की आबादी अपेक्षाकृत कम है। इसके बावजूद दोनों गांवों को समान मात्रा में पानी दिया जा रहा है, जिससे एक ओर पानी की बर्बादी हो रही है और दूसरी ओर लोगों को प्यासा रहना पड़ रहा है।

गांववासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पानी की इस बर्बादी को तुरंत रोका जाए और सप्लाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि गर्मी के इस मौसम में सभी को पर्याप्त पेयजल मिल सके।

मंडी व्यवस्थाओं को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क - सैनी

एजेंसी

बरवाला, 21 अप्रैल- बरवाला मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण सैनी ने मंगलवार को मंडी में किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं जानीं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बरवाला मंडी के अंतर्गत आने वाली पाबड़ा मंडी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी राय जानी। किसानों ने नए नियमों और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। चेयरमैन प्रवीन सैनी ने कहा कि किसान हमारे लिए सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि पाबड़ा मंडी में सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं। मंडी में अभी तक 3 लाख 20 हजार मीट्रिक टन आवक हो चुकी है जिसमें से 2 लाख बैग की बिडिंग और 1 लाख 4 हजार बैग का उठान हो चुका है। सभी कार्य पारदर्शिता और तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, मंडी व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान मंडी सचिव सहित वाइस चेयरमैन रोशन घनघस, कुलदीप कुंडू, पुरूषोत्तम गुप्ता, बलबीर सैनी, नरेश मित्तल, नानक सिंगला भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सैर-सपाटा

हरे नीले भूरे मटमैले, बर्फ ओढे पहाडी स्थलों में गजब आकर्षण है कि आवारगी के मतवाले हर मौसम में वहां पहुंचे रहते हैं। कुछ दिन-रात यहां बिता, नया उत्साह व चेहरों पर रौनक बटोरकर लौट, फिर से जुट जाते हैं पुरानी व्यस्त दिनचर्या में, जहां से वे आते हैं। यह विकास की माया है कि चंद गिने-चुने पर्यटक स्थलों पर हर बरस भीड जमा होती है मगर अनेक दिलकश जगहें बिना पर्यटकों के उदास रहती हैं क्योंकि वहां विकास की माया नहीं है। आमतौर पर पर्यटकों को कुल्लू, मनाली, शिमला, चैल, धर्मशाला का ही पता है। हालांकि प्रकृति ने हिमालयी आंगन में अनगिनत जगहें ऐसी रची हैं जहां दिलकश खूबसूरती का अंबार लगा है मगर सूचना व विकास के अभाव में पर्यटक वहां तक पहुंच नहीं पाते। सुविधाओं के मामले में पर्यटक लकीर के फकीर हैं। उन्हें हर जगह हर तरह की सुविधाएं चाहिये। सही सोचा जाये तो कुदरत ने हमें अनेक अनमोल व अद्वितीय सुविधाएं दी हैं। इनके बिना हमारा काम नहीं चल सकता। दूसरे इन सुविधाओं का विकल्प भी नहीं है। इसलिये भौतिक आराम को थोडे समय के लिये भूलकर प्रकृति के आंगन में सहज जीवन के निर्मल आनंद का सौम्य उत्सव मनाना ही चाहिये। प्रकृति प्रांगण में मुफ्त उपलब्ध, अलौकिक आनंद का रसपान कराती आज तनाव, दबाव व घोर कंपीटीशन में खुद फंसे आदमी के लिये इन जरूरी सुविधाओं की लम्बी लिस्ट है। चप्पे चप्पे में फैली प्रदूषण मुक्त नयनाभिराम हरियाली, आंखों को ठण्डक की तरलता पहुंचाते नीले खुले आसमान में अठखेलियां करते मेघदूत, देवदार, कैल, चीड की नथुनों को सुगंधित कर देने वाली शीतल बयार, जडी-बूटियों के सानिध्य से बहकर आते अनगिनत मीठे जल स्रोत, बारिश के बाद निखरी अनगिनत शेड्स की खुशनुमा मादकता बिखेरती गुलाबी शामें, जंगली फूलों की अनूठी विरली गंध में माधुर्य घोलता पक्षियों की चहचाहट से भरपूर संगीतमय सुंदर पर्यावरण, सादगी व लोक संस्कृति को सम्प्रेषित करते पहाड के सीधे-सादे लोग। यहां का सबकुछ सहज है। आइये, जीवन से बिजनेस, मोबाइल, अंधी प्रतियोगिता व चैनल टीवी को तिलांजलि देकर करसोग घाटी चलते हैं जहां प्रकृति की अनछुई उन्मुक्त सुन्दरता आपको कायल करने को आतुर है। कुदरत की बेटी करसोग जाने के लिये शिमला से 100 किलोमीटर का फासला है। मण्डी या सुन्दरनगर से भी जा सकते हैं। यहां से घीडी या फिर चैल चैक होकर रोहांडा पहुंचते हैं। यहां पहुंचते पहुंचते सेब, नाशपाती, चीड, कैल, देवदार व अन्य वृक्ष लुभाने लगते हैं। सडक पर ज्यादा वाहन नहीं मिलते इसलिये यात्रा का मजा बरकरार रहता है। प्रकृति अपना सबकुछ सीधे सीधे सम्प्रेषित करती है। यह हम पर निर्भर है कि कितना आत्मसात करते हैं। जेब में नोट से ज्यादा वक्त हो तो कई जगहों पर रुककर उन्मुक्त प्रकृति के अधीन निकट होने का ज्यादा लुत्फ ले सकते हैं। रोहांडा से पहले झुंगी में फोरेस्ट रेस्ट हाउस है और रोहांडा में भी। रोहांडा से निकलते हुए प्राकृतिक दृश्य ऐसे होते जाते हैं मानो नयनाभिराम पोस्टर हों। लम्बे-लम्बे कद्दावर वृक्ष, सीढीनुमा खेतों के रंग-बिरंगे बिछौने, मनभावन नीले खुले आसमान के नीचे यहां से वहां तक फैली खूबसूरत पर्वत श्रंखलाएं-कैमरा यहां अपनी जिम्मेदारी खूब निभाता है। कितनी ही जगह गाडी रोककर हम पैदल चल पडते हैं। पहिये बुरे लगने लगते हैं। मन और शरीर चाहता है इन वादियों में उड जायें, कूद जायें हरियाली की गोद में। कम्प्यूटरी जीवन से अनभिज्ञ पहाडी बचपन देखकर लगता है यहां कुछ नहीं बदला। बच्चे, लिंगड (स्थानीय पौष्टिक स्वादिष्ट सब्जी) बेचते मिलते हैं। रास्ते में चैकी नामक जगह पर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस है। यहां से आगे पांगणा नामक आकर्षक जगह है, जहां कुदरत और रस घोलती है, आंखों को आराम मिलता है मन को चैन। यहां भी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस है। स्थानीय लोगों की जीवन शैली अति भौतिकता का मोह छोडने, कम सुविधाओं में जीने, सादगी की ओर प्रेरित करती है। चाहें तो पांगणा से तीन किलोमीटर पीछे कैंची मोड से बरखोट होते हुए करसोग जा सकते हैं या फिर पांगणा से दो किलोमीटर आगे लाजवाब चिंडी पहुंच सकते हैं। यहां पीडब्ल्यूडी का बढिया रेस्ट हाउस व हिमाचल पर्यटन निगम का सुन्दर होटल ममलेश्वर है। चिंडी उन विरले स्थानों में से एक है जहां चीड, कैल व देवदार के वृक्ष एक साथ हैं। यह जगह सृष्टि ने अनूठी ख्वाबगाह की तरह बसाई है। यहां पहुंचकर यात्रा की थकान रफूचक्कर हो जाती है। चिंडी से बरखोट होते हुए तेरह किलोमीटर दूर सिनारली के फोरेस्ट रेस्ट हाउस में भी रुक सकते हैं। करसोग यहां से मात्र तीन किलोमीटर है। कुदरत के गहन सानिध्य में जाना हो तो 1830 मीटर (6010 फीट) पर स्थित करसोग से 25 किलोमीटर दूर माहुनाग पहुंचकर वहां स्थित फारेस्ट रेस्ट हाउस में ठहरकर असीम उन्मुक्त अविस्मरणीय लम्हों को अपने अनुभवों के खजाने में जमा कर सकते हैं। इस अहसास को अधिक निजी बनाना हो तो कोटली व टांडा के फारेस्ट रेस्ट हाउस में ठहरा जा सकता है। यह स्थल करसोग से 22 व 30 किलोमीटर के फासले पर हैं। समस्त करसोग घाटी स्वादिष्ट सेब, नाशपाती, लिंगड, राजमा, मक्की, उडद आदि के लिये प्रसिद्ध है। वन्य जीवन प्रेमी पर्यटकों के लिये भी यहां कम आकर्षण नहीं और ट्रेकिंग के चहेते कितने ही रूट पकड सकते हैं। इस क्षेत्र में स्थित प्राचीन मन्दिरों में पारम्परिक भवन निर्माण, लोक संस्कृति व आस्था के सशक्त दर्शन होते हैं। करसोग जैसे अनछुए क्षेत्रों में जाकर, जहां विशेषकर आने वाली पीढी को उनकी किताबों में वर्णित प्राकृतिक सुन्दरता के साक्षात दर्शन होते हैं, कुछ समय इकट्ठे रहकर, कम होते जा रहे आपसी स्नेह व प्रेम में बेहद जरूरी बढोतरी की जा सकती है। शरीर नव ऊर्जा ग्रहण करता है। ऐसी जगहों पर एकाग्रता व आत्मिक शक्ति का उदय होता है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति को स्वचिंतन करते हुए अपने आप से कई बार मिलने का विरला अवसर मिलता है। जागरुक पर्यावरण प्रेमी हमेशा खबरदार करते रहते हैं उन क्षेत्रों के बारे में जहां कम विकास व प्रचार के अभाव में प्रकृति को नोचा नहीं गया।

जिंदगी का लाइसेंस (कहानी)

-शिफाली-

होम डिपार्टमेंट में बंदूकों की लाइसेंस का अहम काम जब बाबूजी के जिम्मे आया तो उन्होने अपने अफसर से जाकर साफ कह दिया कि उन्हे ऐसी दागदार टेबल पर काम नहीं करना, जिसके नीचे और ऊपर से फाईलों से ज्यादा रिश्वत के लिफाफे चलते हों ऐसी टेबल की जिम्मेदारी वो नहीं संभाल पाएंगे। लेकिन होम डिपार्टमेंट की इस ब्रांच से लगातार मिलती रहीं करप्शन की शिकायतों से तंग आए अफसर भी परेशान थे कि इस ब्रांच की क्लीनिंग कैसे की जाए। वो तय कर चुके थे कि इस बार ये जवाबदारी किसी ऐसे ईमानदार कर्मचारी के हाथ में सौंपेंगे जिसके बिकने की कोई गुंजाइश ना हो। होम डिपार्टमेंट में बाबूजी की गिनती उन्ही कर्मचारियों में होती थी जिनका ईमान किसी कीमत पर बिकाऊ नहीं था। तो जाहिर है डिपार्टमेंट में जब आनेस्ट एम्पलोई की सर्च हुई तो कई कर्मचारियों से गुजरते हुए ये तलाश श्री एम पी शर्मा यानि बाबूजी पर आकर थम गई। लेकिन जिस दिन से ये प्रपोजल बाबूजी के सामने आया था। उनके दिन का चैन और रातों की नींद हराम हो गई थी। बेईमानों के सपने आने लगे थे। मंगल और शनिवार को सुबह सुंदरकांड का पाठ तो रोज करते थे लेकिन जबसे अफसर ने उनसे इस नई जिम्मेदारी का जिक्र किया, तो शाम को भी हनुमान मंदिर का एक चक्कर लगा लिया करते कि सिर पर आया ये संकट किसी तरह टल जाए। बाबूजी के लिए जो संकट था बाकी कर्मचारियों के लिए वो सौगात से कम नहीं। कई थे जो ऊपरी कमाई की गारंटी देने वाली इस टेबल के लिए अपनी तरफ से भी अफसरो को कुछ चढौत्री चढ़ाने तैयार बैठे थे, लेकिन मुश्किल ये थी कि इस बार उनका पाला ईमानदार अफसर से पड़ गया था। लेकिन इस सबके बीच बाबूजी की मुश्किल तो बनी हुई थी। मुश्किल ये कि बेईमानी की राह से बचते रहे बाबूजी अब इस दलदल से कैसे पाक साफ निकलेंगे। बाबूजी ने लाख कोशिश की। अपने कर्मठ और ईमानदार होने का वास्ता दिया। लेकिन तब वो कहां ये जान पा रहे थे कि उनकी इसी ईमानदारी के व्हाइटनर के इस्तेमाल से उनके अफसर अपने डिपार्टमेंट में बढ रहे करप्शन के दागों को धोना चाहते है। तीस साल की लंबी सरकारी नौकरी बिना किसी दाग के निकाल चुके बाबूजी ये कतई नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के इन अखिरी सालों में किसी ऐसी सीट पर काम करें जहां उलझने की पूरी गुंजाइश हो। उन्होने अपने अफसर से यहां तक कहा कि आप मुझे सस्पेंड करके घर बिठवा दो लेकिन साहब मैं इस दलदल में तो जाने से रहा। लेकिन अफसर ने तो जैसे तय कर लिया था कि इस कीचड़ की सफाई बाबूजी से ही करवाएंगे। आखिरकार हुआ भी वही, लंबी ना नुकुर के बाद हारकर बाबूजी को अपने अफसर की ही बात माननी पड़ी और होम डिपार्टमेंट में बंदूकों के लाइसेंस दिलवाने का काम जिसे करप्शन की खान भी कहा जाता था बाबूजी के मत्थे आ गया। बाबूजी की सीट क्या बदली उनके लिए दफ्तर का पूरा सिनेरियो ही बदल गया। पहले बाबूजी के डिपार्टमेंट का प्यून सीताराम अकेला था जो सुबह दफ्तर आते वक्त और शाम को दफ्तर से जाते वक्त बाबूजी को पूरे अदब से प्रणाम किया करता था। दफ्तर के बाकी लोगों के लिए तो पिछले तीस साल से बाबूजी घर के उस बंद कमरे की तरह थे जिसका जरुरत पड़ने पर ही इस्तेमाल किया जाता है। अजीब तरह का अनबोला था उनका पूरे दफ्तर से। यारबाजी वाला कोई अंदाज नहीं था उनमें। पान के ठेले पर अफसर की बैक बाईटिंग या चाय की चुस्कियों के साथ फलां मेडम और फलां साहब की इश्क के किस्से, असल में पूरा दफ्तर जिन बातों का मुरीद था। बाबूजी इन सारी बातों के सख्त खिलाफ। वो खुद कहते थे हम से फालतू बात ना किया करो। फिरदफ्तर ने भी उनकी इस ताकीद पर चलना शुरु कर दिया था। इसीलिए काम की बात भी अब उनसे बमुश्किल ही होती थी। असल में बाबूजी की ईमानदारी और नियम कायदे उनकी सबसे बड़ी मुश्किल थे। जो टिपीकल सरकारी ढर्रे पर चलने वाले दूसरे साथियों के साथ उन्हे खड़ा नहीं होने देते थे। किसी से घुलने मिलने नहीं देती थी, चाय की दुकान पर जाते नहीं थे। पान गुटके की लत थी नहीं। लंच में दफ्तर के बाहर तबादले और फाइल खिसकाने के साथ आने वाली चढौत्री की चर्चाएं बाबूजी को रास नहीं आती थी। ये वाइजवर्सा था बाबूजी को बाजार की तरह रोज अपने काम के दाम बढाने वाले बेईमान कर्मचारी फूटी आंख नहीं सुहाते थे। और अपने ईमान से जरुरत के मुताबिक भटकने वाले कर्मचारियों के गले बाबूजी नहीं उतरते थे। लेकिन सरकार के इन सिपहसालारों की नौकरी तो चल ही रही थी, ऊपरी कमाई की लत पाल चुके भ्रष्ट कर्मचारियों की भी, और केवल सूखी तनख्वाह पर अब तक अपने साथ अपने बीवी बच्चों की गुजर कर रहे बाबूजी की भी। लेकिन पूरे तीस साल बाद टर्निंग पाइंट आया था। बाबूजी की जिंदगी में और हमेशा से मलाईदार पोस्ट पर जमे रहे उन कर्मचारियों की नौकरी में भी। जिनके घर में सरकारी पगार तो केवल बैंक के सेविंग अकाउंट में जमा होने जाती थी। घर के खर्चों के लिए तो ऊपरी कमाई ही काफी थी। सालों से रिश्वत की शेयरिंग देखते आए कर्मचारी हमेशा ये मानकर चलते थे कि डिपार्टमेंट में किसी भी अफसर की पोस्टिंग हो जाए,अपना काम नहीं रुकेगा। पैसा किसी को बुरा नहीं लगता, वो जानते थे कि जब कमा के देंगे तो साहब हिस्सा लेने से कैसे इंकार कर सकते हैं, फिर अफसर शमिल हो तो डिपार्टमेंटल जांच से भी बेफिक्री और अगर कुछ आसमानी सुल्तानी सरकारी दबाव आ भी गया तो अपनी बचाने, कर्मचारी की नौकरी तो अफसर को बचानी ही पड़ेगी आखिर शेयर होल्डर जो हैं, लेकिन इस बार सारा मामला उलट गया था,ऊपर ईमानदार अफसर और नीचे इस भ्रष्ट विभाग में ईमानदारी की मिसाल बाबूजी। कर्मचारी कहने भी लगे थे कि करप्शन, कर्मचारियों की भाषा में कहें तो सुविधा शुल्क के लिए मशहूर रहे इस विभाग का तो अब ऊपर वाला ही मालिक है। कमाई वाली सीट पर पोस्टिंग के बाद उस दिन पहली बार जब बाबूजी दफ्तर गए। दरवाजे से ही महसूस कर रहे थे कि दफ्तर ने नजर बदल ली हैं। सीताराम ने रोज की तरह नमस्ते किया। लेकिन डाक मार्किंग का काम देखने वाले छोटे बाबूश्रीवास्तव से लेकर बड़े बाबू तक सब ऐसे पेश आ रहे थे कि जैसे बाबूजी को नई सीट नहीं मिली, केरल के पदमनाभ स्वामी मंदिर का खजाना उनके हाथ लग गया है। अब तो शर्मा जी लाखों में खेलेंगे लाखों में, दफ्तर के छोटे बाबू श्रीवास्तव इसी अंदाज में बाबूजी का इस्तकबाल किया। नसीब वाले हैं जो बिना कुछ लिए दिए ऐसी टेबल मिल गई जिसने कभी किसी को निराश नहीं किया। सुझाव भी आने लगे, शर्मा जी मेरी मानो अब ये साईकिल तो सीताराम को दे दो। अब ये सूट ना करेगी आपको। नई स्कूटर उठालो किश्तों का इंतजाम तो ये टेबल ही कर देगी। सलाहें कई तरह की। अब ये ईमानदारी का राग छोड़ो, हो गई तीस चालीस साल की नौकरी,ईमानदारी के सर्टिफिकेट से कौन सी हालत सुधर गई आपकी। हम सबसे सीनियर हो हमने तीन गाड़ियां बदल ली,पर आप साईकिल से आगे नहीं बढ पाए। अभी दुबे जी की समझाईशों और सलाहों का दौर खत्म भी नहीं हुआ था कि श्रीवास्तव बाबू ने मन के लड्डू खाने भी शुरु कर दिए। हिस्सा बांट शुरु कर दिया। पिछले बीस साल में बमुश्कल बीस बार बाबूजी से बात की होगी लेकिन अबकि ऐसे अपनेपन से बोले जैसे बरसों की यारी है। हम अभी से कहे देते हैं शर्मा जी पहला जो भी लाईसेंस होगा। सबमें बंटना चाहिए उसका प्रसाद और अपना हिस्सा तो आप भूलना मत। दुबे जी बाबूजी को समझते थे, श्रीवास्तव बाबू को रोक कर बोले, अरे अब इतने उतावले ना हो भैय्या। अभी शर्मा जी को ये गणित समझने तो दो। आज तक सिर्फ अपने ईमान के बूते अपनी मेहनत की तनख्वाह पाते रहे बाबूजी देख सुन रहे थे बेईमानी कितनी सर चढकर बोल रही है। वो खामोश थे। लेकिन पूरा दफ्तर बोल रहा था। बेईमानी के 101टिप्स सिखाए जा रहे थे। जो देश के किसी भी रेल्वे स्टेशन की बुक स्टॉल पर नहीं मिलते। नुस्खे भी एसे जो अजमाए हुए हैं। नफे और नुकसान के साथ बाबूजी तक पहुंच रहे थे। किस बात की कितनी रिश्वत लेनी है? कैसे लेनी है।? कहां बचना है। कैसे अफसर को साथ लेकर चलना है और खुदा ना खास्ता फंस ही जाएं तो कैसे निकलना है। सारी नसीहते सारे पाठ और सीखने वाले अकेले बाबूजी।

नारी संसार

सर्दी अपने शबाब पर है, इसलिए यह मौसम फैशन के अंदाज से बेहद हॉट होता है, परंतु ऐसे बहुत से युवा हैं जो इस मौसम में लगभग एक जैसे कपड़े पहन कर इसे बोर बना देते हैं। सर्दी से बचने के लिए वे एक ही जैकेट या कोट को इस्तेमाल करते हैं और स्टाइल मानो उनसे कहीं छूट जाता है। इसके लिए जरूरी है कि आप कुछ छोटी-छोटी बातों से अपना अंदाज बदल लें। मफलर, स्कार्फ या शॉल मैच्योर नहीं बल्कि आपको स्टाइलिश लुक भी दे सकते हैं। बस इन्हें अलग अंदाज में कैरी करने के स्टाइल सीख लें, क्योंकि कभी आऊटडेटिड मानी जाने वाली ये चीजें एक बार फिर से फैशन में लौट आई हैं... स्कार्फ से प्रोफैशनल लुकः- स्कार्फ अब स्वयं को ठंड से बचाने के लिए नहीं पहना जाता, बल्कि स्टाइलिश लुक के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। कहीं घूमने जाना है या फिर प्रोफैशनल गैटअप के लिए स्कार्फ इस सीजन में बैस्ट ऑप्शन माना जाता है। यही कारण है कि हर दिन बदलते फैशन में स्कार्फ ने अपनी एक खास जगह बना ली है, क्योंकि यह हर ड्रैस के साथ खूबसूरत लगता है। देखा जाए तो कैजुअल और प्रोफैशनल वियर दोनों के साथ यह परफैक्ट लुक देता है, इसीलिए कॉलेज गोइंग गर्ल्ज से लेकर वर्किंग गर्ल्ज को भी इस स्टाइल ने आकर्षित किया है।

मफलरः- बॉलीवुड में शाहिद कपूर से लेकर रणबीर कपूर तक ने अपनी फिल्मों में खूबसूरत अंदाज में मफलर पहना तो युवाओं ने भी इसे अपना लिया। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह आपकी ड्रैस

को नोटिसेबल फ्लेयर देते हुए काफी स्टाइलिश दिखते हैं। यही नहीं, ज्यादा सर्दी में ये आपके कानों और गर्दन को भी ठंड से बचाते हैं। आप अपनी पसंद के फैब्रिक्स, कलर्स और पैटर्न्स का मफलर चुन सकते हैं। इसे आप पुलोवर या कार्डिगन के साथ ही नहीं, बल्कि कोट, टी-शर्ट एवं जैकेट के साथ भी पहन सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि मफलर आऊटफिट के साथ कंट्रास्ट में हो या फिर लाइनिंग और चैक में हो तो ज्यादा हॉट लुक देगा। यदि ब्लैक ड्रैस पहन रही हैं तो उसके साथ रैड, पिंक या अन्य कलर का मफलर यूज करें। यूं तो आप इसे दोनों साइड सेम लैंथ पर पहन सकती हैं, जो काफी कॉमन स्टाइल होने के बावजूद अच्छा लगता है। इसके अलावा आप इसे क्रॉस करके टाई की तरह भी ट्राई कर सकती हैं। मफलर में एक गांठ लगा कर भी आप इसे खूबसूरत लुक दे सकती हैं तथा लांग मफलर को आप गले में दो बार लपेट कर भी पहन सकती हैं। युवकों को भी भायाः- स्कार्फ का स्टाइल युवतियों को ही नहीं, बल्कि युवकों को भी भाने लगा है। वे इसे जींस और टी-शर्ट के साथ पहनने लगे हैं, परंतु प्रोफैशनल लुक के हिसाब से यह परफैक्ट नहीं माना जा सकता। युवकों को मफलर के कलर का चुनाव करते समय ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्हें अपनी ड्रैस के साथ मैच करके ही स्कार्फ का चयन करना चाहिए। कलर मैचिंग ध्यान सेः- भले ही आप इसे मिसमैच का दौर मानें, परंतु डिजाइनर्स के अनुसार गुड लुकिंग के लिए सारा खेल मिसमैचिंग में मैचिंग का है, क्योंकि इसके लिए भी उसी कलर का चयन किया जाता है, जो एक-दूसरे के बिल्कुल अपोजिट होते हुए भी बेमेल न लगते हुए आपको गुड लुक दे। इसलिए स्कार्फ भी ड्रैस के कलर के अनुसार ही चुनें। यदि कुछ समझ न आए तो आप ब्लैक कलर का स्कार्फ भी यूज कर सकती हैं, क्योंकि यह जहां हर कलर की ड्रैस के साथ चलेगा, वहीं यह आपको परफैक्ट लुक भी देगा। इसके अलावा आप व्हाइट और रैड स्कार्फ को भी बिंदास अंदाज में यूज कर सकती हैं। शॉल ड्रेपिंग का बदल दें अंदाजः- कभी ट्रैडिशनल वियरर्स के साथ प्रैफर की जाने वाली शॉल अमूमन मां- दादी को ही भाती थीं, परंतु अपने डिफरैंट ड्रेपिंग स्टाइल के कारण यह मैच्योर लोगों के वार्डरोब से निकल कर यंगस्टर्स के वार्डरोब का भी हिस्सा बनने लगी है। यह उनके लिए स्टाइल स्टेटमैंट बन गई है। आप इसके लिए डिफरैंट साइज, फैब्रिक और डिजाइन की शॉल्स ट्राई कर सकती हैं। केवल कंधों पर पूरी तरह से ओढ़ लेना ही अब शॉल का स्टाइल नहीं रहा, बल्कि इसकी डिफरैंट ड्रेपिंग स्टाइल ने भी इन्हें ट्रैंडी बना दिया है। इसके लिए सिल्क और पश्मीना शॉल विशेष तौर पर पसंद की जाती है, क्योंकि सॉफ्ट फैब्रिक होने के कारण इसे ड्रेप करना आसान होता है।

धन और ज्ञान मात्र संग्रह ही नहीं, सदुपयोग भी जरूरी है

एक गांव में धर्मदास नामक एक व्यक्ति रहता था। बातें तो बड़ी ही अच्छी-अच्छी करता था पर था एकदम कंजूस। कंजूस भी ऐसा वैसा नहीं बिल्कुल मक्खीचूस। चाय की बात तो छोड़ो, वह किसी को पानी तक के लिये नहीं पूछता था। साधु-संतों और भिखारियों को देखकर तो उसके प्राण ही सूख जाते थे कि कहीं कोई कुछ मांग न बैठे। एक दिन उसके दरवाजे पर एक महात्मा आए और धर्मदास से सिर्फ एक रोटी मांगी। पहले तो धर्मदास ने महात्मा को कुछ भी देने से मना कर दिया लेकिन तब वह वहीं खड़ा रहा तो उसे आधी रोटी देने लगा। आधी रोटी देखकर महात्मा ने कहा कि अब तो मैं आधी रोटी नहीं, पेट भरकर खाना खाऊंगा। इस पर धर्मदास ने कहा कि अब वह कुछ नहीं देगा। महात्मा रातभर चुपचाप भूखा-प्यासा धर्मदास के दरवाजे पर खड़ा रहा। सुबह जब धर्मदास ने महात्मा को अपने दरवाजे पर खड़ा देखा तो सोचा कि अगर मैंने इसे भरपेट खाना नहीं खिलाया और यह भूख-प्यास से यहीं पर मर गया तो मेरी बदनामी होगी। बिना कारण साधु की हत्या का दोष लगेगा। धर्मदास ने महात्मा से कहा कि बाबा तुम भी क्या याद करोगे, आओ पेट भरकर खाना खा लो। महात्मा भी कोई ऐसा वैसा नहीं था। धर्मदास की बात सुनकर महात्मा ने कहा कि अब मुझे खाना नहीं खाना। मुझे तो एक कुआं खुदवा दो। लो अब कुआं कहां से बीच में आ गया धर्मदास ने साधु महाराज से कहा। धर्मदास ने कुंआ खुदवाने से साफ मना कर दिया। साधु महाराज अगले दिन फिर रातभर चुपचाप भूखा-प्यासा धर्मदास के दरवाजे पर खड़ा रहा। अगले दिन सुबह भी जब धर्मदास ने साधु महात्मा को भूखा-प्यासा अपने दरवाजे पर ही खड़ा पाया तो सोचा कि अगर मैंने कुआं नहीं खुदवाया तो यह महात्मा इस बार जरूर भूखा-प्यासा मर जाएगा और मेरी बदनामी होगी। धर्मदास ने काफी सोच-विचार किया और महात्मा से कहा कि साधु बाबा, मैं तुम्हारे लिये एक कुआं खुदवा देता हूं और इससे आगे अब कुछ मत बोलना। नहीं, एक नहीं अब तो दो कुएं खुदवाने पड़ेंगे, महात्मा की फरमाइशें बढ़ती ही जा रही थी। धर्मदास कंजूस जरूर था, बेवकूफ नहीं। उसने सोचा कि अगर मैंने दो कुएं खुदवाने से मना कर दिया तो यह चार कुएं खुदवाने की बात करने लगेगा इसलिए रामदयाल ने चुपचाप दो कुएं खुदवाने में ही अपनी भलाई समझीं। कुएं खुदकर तैयार हुए तो उनमें पानी भरने लगा। जब कुओं में पानी भर गया तो महात्मा ने धर्मदास से कहा, दो कुओं में से एक कुआं में तुम्हे देता हूं और एक अपने पास रख लेता हूं। मैं कुछ दिनों के लिये कहीं जा रहा हूं लेकिन ध्यान रहे, मेरे कुओं में से तुम्हें एक बूंद पानी भी नहीं निकालना है। साथ ही अपने कुएं में से गांव वालों को रोज पानी निकालने देना है। मैं वापस आकर अपने कुएं से पानी पीकर प्यास बुझाऊंगा। धर्मदास ने महात्मा वाले कुएं के मुंह पर एक मजबूत ढक्कर लगवा दिया। सब गांव वाले रोज धर्मदास वाले कुएं से पानी भरने लगे। लोग खूब पानी निकालते पर कुएं में पानी कम न होता। शुध्द-शीतल जल पाकर गांव वाले निहाल हो गये थे और महात्माजी का गुणगान करते न थकते थे। एक वर्ष के बाद महात्मा पुनः- उस गांव में आए और धर्मदास से बोले कि उसका कुआं खोल दिया जाए। धर्मदास ने कुएं का ढक्कन हटवा दिया। लोग यह देखकर हैरान रह गये कि कुएं में एक बूंद भी पानी नहीं था। महात्मा ने कहा, कुएं से कितना भी पानी क्यों न निकाला जाए, वह कभी खत्म नहीं होता अपितु बढ़ता जाता है। कुएं का पानी न निकालने पर कुआं सूख जाता है, इसका स्पष्ट प्रमाण तुम्हारे सामने है। और यदि किसी कारण से कुएं का पानी न निकालने पर पानी नहीं भी सूखेगा तो वह सड़ अवश्य जायेगा और किसी काम में नहीं आयेगा। महात्मा ने आगे कहा, कुएं के पानी की तरह ही धन-दौलत की भी तीन गतियां होती हैं उपयोग, नाश अथवा दुरुपयोग। धन-दौलत का जितना इस्तेमाल करोगे, वह उतना ही बढ़ता जाएगा। धन-दौलत का इस्तेमाल न करने पर कुएं के पानी की तरह ही सूख जायेगा, समाप्त हो जाएगा और अगर इसके बावजूद बचा रहा तो वह धन-दौलत निरर्थक पड़ा रहेगा। उसका उपयोग संभव नहीं रहेगा या अन्य कोई उसका दुरुपयोग कर सकता है। अतः- अर्जित धन-दौलत का समय रहते सदुपयोग करना अनिवार्य है।

बालपन- टिफिन में हो कुछ हट कर

ब्रेकफास्ट के समय स्कूल जाने की टैंशन... तो शाम को डिनर के लिए बच्चों के पीछे-पीछे खाने की प्लेट लेकर भागना... और सबसे ज्यादा प्रॉब्लम होती है जब बच्चे स्कूल में लंच नहीं करते और अक्सर टिफिन वैसे ही घर वापस ले आते हैं। अब बच्चों को एनर्जी मिलेगी भी तो कैसे जैसी बातों की चिंता में मांओं को समझ में ही नहीं आता कि आखिर बच्चों को किस तरह खाना खाने के लिए प्रेरित किया जाए क्योंकि घर पर तो वे फिर भी कुछ न कुछ खिला ही देती हैं परंतु स्कूल के टिफिन का क्या किया जाए। इसके लिए जरूरी है कि खाने को उनकी पसंद का बना दिया जाए ताकि उनकी खाने से दोस्ती हो जाए। लाएं नयापनः- यदि देखा जाए तो बच्चे बाहर का खाना बड़ी रुचि से खाते हैं परंतु घर के खाने को देख कर ही उन्हें बोरियत होती है इसलिए खाने के प्रति बच्चों में रुचि जगाने के लिए उनके खाने विशेषतः- उनकी

टिफिन रैसिपीज में थोड़ी नवीनता लाएं ताकि बच्चे को उसके पसंदीदा खाने के लिए लंच ब्रेक का इंतजार रहे। जंक फूड जैसा हो टेस्टीः- बच्चों को दाल, सब्जी और रोटी से ज्यादा जंक फूड खाना बेहद पसंद होता है। वह बाहर ऐसी चीजें खाना ज्यादा प्रैफर करते हैं यही कारण है कि पौष्टिक आहार की कमी उनके संपूर्ण विकास पर भी असर डालती है। बच्चे किसी भी तरीके से खाएं इस कारण ज्यादातर मांएं उनके लंच बॉक्स में ऐसा फूड रख देती हैं, जिसमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि उनमें चॉकलेट, जैम और जैली जैसी चीजें भी शामिल रहती हैं। इन सबके अलावा आप उनके टिफिन में अंकुरित दालें, पौष्टिक सलाद, हरी सब्जी-रोटी, फल आदि को अलग-अलग अंदाज में रखें। उन्हें खाने को प्रेरित करने से ही वे दिन भर अलर्ट तथा एनर्जी से भरपूर रहेंगे। टिफिन ऐसे करें तैयारः- हर रोज टिफिन में सैंडविच या परांठा रख देने से बच्चे के मन में उसके प्रति बोरियत होना भी जायज है क्योंकि हर दिन एक जैसा खाना खाना किसी के लिए भी संभव नहीं होता। यूं तो आजकल छोटे बच्चों के लिए स्कूल ही एक चार्ट बना देता है कि किस दिन उनके टिफिन में क्या हो। इससे वे हर दिन एक नई चीज अपने फ्रैंड्स के साथ शेयर करते हुए खाने का आनंद लेते हैं। इसी प्रकार आप भी अपने फूड में विभिन्नता लाएं जिससे कि स्कूल के छः- दिन उसे अलग-अलग पौष्टिक फूड मिले। सोमवार को आप उनके टिफिन में कभी स्टफ परांठा तो कभी डोसा एवं उत्पम इत्यादि रख सकती हैं। मंगलवार को उनके टिफिन में अंकुरित दाल या फ्रूट चाट इत्यादि परांठे के साथ थोड़े चटपटे अंदाज में बना कर पैक करें, जिससे वे स्वाद ही स्वाद में चट कर जाएं। बुधवार को आप उनके लंच बाक्स में हरी सब्जी-परांठा या फिर वैज सैंडविच रखें तथा वीरवार को चना-पूरी बना लें। शुक्रवार को दाल-चावल या पुलाव और शनिवार को आप उन्हें सिर्फ फ्रूट्स भी दे सकती हैं।

इसके अलावा कभी दलिया तो कभी पोहे, कभी घर पर बना बर्गर एवं कटलेट इत्यादि उन्हें स्कूल के लिए दें। इस तरह बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए उन्हें पौष्टिक भोजन दिया जा सकता है। इसके अलावा खाने की सजावट पर भी पूरा ध्यान दें क्योंकि स्वादिष्ट होने के साथ-साथ वह देखने में भी आकर्षक होना चाहिए इसलिए अलग-अलग तरीकों से खाना बनाना ही नहीं बल्कि उसे सजाने का तरीका भी अलग-अलग होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक इरशान सईद द्वारा ए-352, न्यू अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित एवं साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी 85 सेक्टर 6, नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। संपादक सईद अहमद
RNI No. DELHIN/2014/56101 संपर्क सूत्र +91 8587018587, Email: webvarta@gmail.com, समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीजफायर के बीच दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हमले, बेका घाटी में महिला एवं दो बच्चों की मौत

बेरूत। लेबनान में लागू 10 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) के बावजूद इजराइल द्वारा दक्षिणी इलाकों पर हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पिछले कुछ घंटों में कई कस्बों को निशाना बनाया गया, जिससे क्षेत्र में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, काकाइयात अल-जिस्र कस्बे में लितानी नदी के पास ड्रोन हमला किया गया। इसके अलावा टायर जिले के शमा कस्बे में बमबारी हुई, जबकि मरजायून क्षेत्र के तैयबेह कस्बे को भी निशाना बनाया गया। अल-कुसैर और अल-कंतारा के बीच के इलाकों में भी हमलों की सूचना है। हालांकि, इन घटनाओं में फिलहाल किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, लेबनान की बेका घाटी में हुए हवाई हमलों में नागरिकों के मारे जाने की खबर है। सोहमोर कस्बे में तड़के करीब 3:30 बजे हुए हमले में एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शव दूर तक जा गिरे। वहीं, बच्चों के पिता गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, मशघरा क्षेत्र में भी हमलों से भारी नुकसान हुआ है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने सीजफायर के प्रभाव और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इन हमलों को लेकर इजराइल की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्थिति को शांत करने और युद्धविराम का पालन सुनिश्चित कराने की मांग तेज हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।' इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला कल आने की संभावना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

शादी में खाने के बाद 200 लोग हुए बीमार, 400 लोगों ने खाया था खाना, फूड पॉइजनिंग की आशंका

गुजरात। गुजरात के दाहोद जिले में शादी के दौरान फूड पॉइजनिंग से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 59 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार रात की है। शादी में 400 से ज्यादा लोग पहुंचे थे। रात 8 बजे के आसपास डिनर शुरू हुआ, जिसमें आम का जूस भी था। इसके बाद रात करीब 11 बजे कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। बीमार लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बाद में यह संख्या 200 से ज्यादा हो गई। दाहोद कलेक्टर योगेश निर्गुडे ने बताया कि अभलोड गांव में शादी के दौरान खाना खाने के बाद 230 लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। डॉक्टर डॉ. राजीव डामोर ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत ठीक है।

मुस्लिम परिवार ने उत्तराखंड में अपनाया हिंदू धर्म, गंगा में डुबकी लगाई-जनेऊ पहना

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के एक मुस्लिम परिवार ने आज हरिद्वार में हिंदू धर्म अपना लिया। नमामि गंगे घाट पर कई संतों की मौजूदगी में परिवार के पांचों सदस्यों का शुद्धिकरण किया गया, गंगा में डुबकी लगवाई गई और फिर मंत्रो उच्चारण के बीच हवन में उन्हें जनेऊ पहनाया गया। हिंदू धर्म में शामिल कराने बाद उन सभी के नाम भी बदल दिए गए, परिवार के मुखिया मोहम्मद शहजाद अब 'शंकर' बन गए हैं और उनकी पत्नी रजिया से 'सावित्री' बन गई है। इसी दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें शहजाद घाट किनारे खड़े अपने गुरू अरुण किशन महाराज के पैर चूमते हुए दिख रहा है। इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद संतों ने इसे घर वापसी बताया है। स्वामी प्रबोधानंद महाराज ने दावा किया है कि भारत का हर मुस्लिम पहले हिंदू ही था और सभी को हिंदू धर्म में आकर घर वापसी करनी चाहिए। वहीं शहजाद से शंकर बने युवक ने कहा कि वह बचपन से ही सनातन धर्म में विश्वास रखता था। हालांकि उसने कहा- ये पूरा परिवार उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रहता है। चंडीघाट पर हुए इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद अरुण किशन महाराज ने बताया कि शहजाद लंबे समय से उनके संपर्क में था और लगातार सनातन धर्म अपनाने की इच्छा जता रहा था। उनके अनुसार, पूरा परिवार जब सहमत हुआ तो फिर आज सभी को हिंदू धर्म में शामिल कर लिया गया। रजिया और शहजाद की दो बेटियों और एक बेटे का भी नाम बदल दिया गया है। बेटे का नाम रूद्र' और बेटियों के नाम 'रुक्मिणी' व 'दिशा' रखे गए हैं।

मणिपुर में तीन घंटे में दो बार डोली धरती

इंफाल। मणिपुर में मंगलवार सुबह तीन घंटे के अंतराल में भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। भूकंप का पहली झटका सुबह 05 बजकर 59 मिनट 33 सेकंड एवं दूसरा झटका सुबह 09 बजकर 03 मिनट 25 सेकंड पर महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 और 3.3 मापी गई। पहला भूकंप मणिपुर कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 62 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.703 उत्तरी अक्षांश और 94.415 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। दूसरा भूकंप मणिपुर कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 56 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। जबकि, दूसरे भूकंप एपिसेंटर 24.737 उत्तरी अक्षांश और 94.185 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

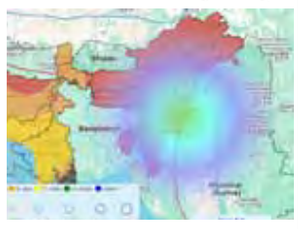

भारत ने इजराइल की मदद कर कानून तोड़ाः यूएन दूत

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम कमजोर हो रहा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। 'टॉर्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को UN स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इजराइल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के साथ-साथ भारत की

नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है।

गाजा में यातना शिविर जैसे हालातः टॉर्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजराइल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अल्बनीज ने भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में इजराइल यात्रा और 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का जिक्र किया। उनके अनुसार, यह संबंध अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टॉर्चर केवल जेलों तक सीमित नहीं है। निगरानी, फेस रिकग्निशन, ड्रोन और चेकपॉइंट्स के जरिए फिलिस्तीनियों के जीवन पर लगातार नियंत्रण रखा जा रहा है। इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी एक तरह के मानसिक और सामाजिक दबाव में रहती है। अल्बनीज ने बताया कि गाजा में हालात बेहद खराब हैं। करीब 1,90,000 लोग 50 वर्ग किमी से कम इलाके में रह रहे हैं। वहां दवाइयों, साफ-सफाई और सुरक्षा की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति "कंसंट्रेशन कैंप" से भी बदतर हो गई है।

पचपदरा रिफाइनरी पहुंचे सीएम, जहां आग लगी, वहां भी गए

एजेंसी, बाड़मेर/बालोतरा

बालोतरा के पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड के बाद आज सीएम भजनलाल शर्मा वहां पहुंचे। उन्होंने ढाई घंटे तक अधिकारियों से हादसे को लेकर चर्चा की। इस दौरान सीएम ने जहां आग लगी, उस जगह का भी निरीक्षण किया। सीएम के साथ कानून मंत्री मंत्री जोगाराम पटेल और मुख्य सचिव (CS) वी श्रीनिवास भी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा रद्द होने के बाद मुख्यमंत्री दोपहर करीब 12:30 बजे रिफाइनरी पहुंचे थे। इससे पहले NIA और स्टेट की जांच एजेंसियां भी पहुंच गई थीं। रिफाइनरी के गेट नंबर 1 और 2 पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाहरी लोगों की एंट्री पर पूरी तरह रोक है। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- अग्निकांड की कमेटी जांच कर रही है। जो भी तकनीकी खामियां रही होंगी, उसे दूर किया जाएगा। जल्द ही रिफाइनरी को शुरू किया जाएगा। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का PM आज (मंगलवार) उद्घाटन करने वाले थे। हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा स्थगित कर दिया गया था।

- ढाई घंटे तक भजनलाल शर्मा ने की अफसरों से चर्चा

PM के दौरे को देखते हुए हफ्ते भर से तैयारियां चल रही थीं। घटनास्थल से महज 800 मीटर दूर बनाए गए सभा स्थल पर विशाल डोम में सैकड़ों पंखे और कूलर लगाए गए थे। जनसभा के लिए करीब 2 लाख लोगों का खाना तैयार किया गया था। मंगलवार को क्रेन की मदद से डोम हटाए गए। 20 अप्रैल की दोपहर करीब 2:00 बजे हीट एक्सचेंजर सर्किट में हाइड्रोकार्बन लीकेज की वजह से कच्चे तेल को साफ करने वाली (क्रूड डिस्टिलेशन) दो यूनिट में आग लगी थी। धुएं का गुबार और आग की लपटों को कई किलोमीटर दूर से देखा गया था।

दिल्ली में लेखिका मधु किश्वर को नोटिस देने उनके ऑफिस पहुंची चंडीगढ़ पुलिस

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री से जुड़ी भ्रामक सोशल मीडिया सामग्री प्रसारित करने के आरोप में घिरीं लेखिका मधु किश्वर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। किश्वर के खिलाफ दर्ज एफआईआर के संबंध में नोटिस देने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की एक टीम दिल्ली स्थित उनके कार्यालय पहुंची। चंडीगढ़ की पुलिस के अनुसार 19 अप्रैल को किश्वर के खिलाफ एक एफआईआई दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप था कि किश्वर ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो को रिट्वीट करते हुए दावा किया कि मसाज ले रहे व्यक्ति प्रधानमंत्री हैं, जबकि जांच में पाया गया कि वीडियो में दिखाया गया व्यक्ति एक ट्रैवल ब्लॉगर है और उसकी पत्नी ने पुष्टि की है कि वह व्यक्ति उनका पति है। पुलिस ने बताया कि इस वीडियो का अन्य सोशल मीडिया हैंडलर ने भी गलत तरीके से इस्तेमाल किया है। इस संबंध में उनसे पूछताछ करने के लिए पुलिस टीम किश्वर को नोटिस देने उनके दफ्तर पहुंची ताकि वह पुलिस स्टेशन में पेश होकर अपना बयान दर्ज करा सके। इसके लिए कल की तारीख तय की गई है।

पुलिस की इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए किश्वर ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जब पुलिस उनके दफ्तर पहुंची, तब वह एक वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं। उन्होंने शाम के समय पुलिस की उपस्थिति पर चिंता जताते हुए महिलाओं की गिरफ्तारी से संबंधित कानूनी प्रावधानों का भी हवाला दिया।

चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले को "जानबूझकर भ्रामक और अश्लील सामग्री के जरिए छवि खराब करने की कोशिश" माना है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

जापान दूसरे देशों को घातक हथियार बेचेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वॉरशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। मंगलवार को X पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा। उन्होंने कहा कि हथियार सिर्फ उन देशों को दिए जाएंगे जो UN चार्टर (संविधान) के मुताबिक उनका इस्तेमाल करने का वादा करेंगे।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई देश जापानी हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हाल ही में जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ है। इसके तहत मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए 11 में से पहले 3 वॉरशिप बनाएगी। इससे पहले 1976 में लागू प्रावधानों के तहत जापान सिर्फ गैर-घातक सैन्य उपकरण ही निर्यात कर सकता था। इनमें निगरानी और माइन स्वीपिंग जैसे उपकरण शामिल थे।

जापान की 'शांतिवादी नीति' क्या थीः सेकेंड वर्ल्ड वॉर और हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमले के बाद जापान ने तय किया कि वह युद्ध से दूर रहेगा। संविधान के आर्टिकल 9 में साफ लिखा गया कि जापान युद्ध नहीं करेगा और सेना सिर्फ आत्मरक्षा तक सीमित रहेगी। इसी वजह से जापान ने सेल्फ डिफेंस फोर्स (SDF) बनाई। 1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी। हालांकि 2014 में थोड़ी ढील दी गई लेकिन सख्त सीमाएं बनी रहीं। अब नए फैसले में जापान ने अपनी शांति नीति में बड़ा बदलाव किया है।

- 50 साल बाद नीति में बदलाव किया, ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 अरब डॉलर का समझौता

17 देश जापान से हथियार खरीद सकते हैंः अल जजीरा के मुताबिक, इस फैसले के तहत कम से कम 17 देश जापान से हथियार खरीद सकेंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। अगर और देश जापान के साथ समझौते करते हैं तो यह सूची बढ़ सकती है। वहीं, जापानी अखबार असाही के मुताबिक जापान उन देशों को हथियार नहीं बेचेगा जहां फिलहाल युद्ध चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो तो इसमें छूट दी जा सकती है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में चुनाव प्रचार थमा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार शाम 5 बजे से दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार पूरी तरह थम गया और 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया। नियमों के मुताबिक मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार अभियान पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया जाता है, ताकि मतदाता बिना किसी दबाव के स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। यह प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत लागू होता है। इस दौरान न तो रैलियां आयोजित की जा सकती हैं और न ही टीवी, अखबार या सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। मतदान को बढ़ावा देने और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने राज्यभर में व्यापक जागरुकता अभियान शुरू किए हैं। तमिलनाडु में इस बार कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां

मुख्य मुकाबला द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के कारण कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय है। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं और लगभग 3.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की नौ, जलपाईगुड़ी की सात, अलीपुरद्वार की पांच, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की पांच, उत्तर दिनाजपुर की नौ, दक्षिण दिनाजपुर की छह, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्द्धमान की नौ, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झाड़ग्राम की चार, पुरुलिया की नौ व बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं। पहले चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदाताओं की कुल संख्या तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 है, जिनमें एक करोड़ 84 लाख 99 हजार 496 पुरुष, एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिला व 465 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

23 अप्रैल को मतदान

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनकी सीधी टक्कर भारतीय जनता पार्टी से है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। दोनों राज्यों के चुनाव की मतगणना 4 मई को होगी।

मप्र के बड़वानी में टैंकर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, 5 युवकों की मौत

एजेंसी, भोपाल/बड़वानी

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। इस हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

यह दुर्घटना जुलवानिया टोल प्लाजा के पास दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। बताया गया हे कि सभी युवक एक बारात से लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म हो जाने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने निकले थे, तभी खरगोन की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकालने के लिए करीब एक घंटे तक मशक्कत की। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान दो और युवकों ने दम तोड़ दिया।

जुलवानिया थाना प्रभारी राम कुमार पाटिल ने बताया कि हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि टैंकर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

भारत-भूटान सीमा शुल्क बैठक में व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन पर सहमति

एजेंसी, मुन्नार (केरल)

भारत और भूटान के बीच 20-21 अप्रैल को मुन्नार में आयोजित सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर सहमति जताई गई। बैठक में तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, सीमा अवसंरचना सुधार और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत माल आवाजाही सुगम बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और बढ़ाने तथा सुरक्षित सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और भूटान के बीच सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक 20-21 अप्रैल को यहां आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव और सदस्य (सीमा शुल्क) योगेन्द्र गर्ग तथा भूटान के वित्त मंत्रालय के

राजस्व एवं सीमा शुल्क विभाग के महानिदेशक सोनम जाम्तशो ने की। बैठक में समन्वित सीमा प्रबंधन, सीमा शुल्क डेटा के पूर्व-आगमन आदान-प्रदान पर समझौता ज्ञापन, खुफिया जानकारी साझा कर तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत पारगमन माल की आवाजाही को सुगम बनाने जैसे विषयों पर विचार किया गया। सीमा अवसंरचना सुधार और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी चर्चा हुई। भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने कोच्चि बंदरगाह का दौरा किया और आयात-निर्यात प्रक्रियाओं, जहाजों की बर्थिंग, कंटेनर संचालन तथा समुद्री प्रवर्तन गतिविधियों जैसे गश्त, संदिग्ध जहाजों की पहचान और संचार प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली हैः रेखा गुप्ता

एजेंसी, आसनसोल

आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल के समर्थन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जेके नगर इलाके में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन किया और जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की तृणमूल सरकार पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में रेखा गुप्ता ने दावा किया कि आप सबका उत्साह और उमंग देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि ममता सरकार अब जाने वाली है और बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली है। आपका यही जोश अग्निमित्रा पाल को दोबारा विधायक बनाएगा। उन्होंने कहा कि अग्निमित्रा पाल एक साहसी नेता हैं, जो जनता के लिए लड़ती हैं और तृणमूल के गुंडों को करारा जवाब देती हैं। उन्होंने दावा किया कि अग्निमित्रा पाल के रहते किसी भी टीएमसी कार्यकर्ता की हिम्मत नहीं होगी कि वह आम जनता को परेशान करे।

उन्होंने आगे कहा कि अग्निमित्रापाल के पीछे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का नेतृत्व है। उनके नेतृत्व में बंगाल ने ठान लिया है कि अब यहां विकास की राजनीति होगी। महिलाओं को सम्मान मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा और किसानों को उनकी फसल

का उचित मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास और विश्वास की राजनीति करती है।

रेखा गुप्ता ने खनन माफिया और सिंडिकेट पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इन पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी और जो भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, उनकी फाइलें खोलकर उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डटकर खड़े रहें और इस बार बदलाव के लिए मतदान करें। उन्होंने कहा कि यह केवल भाजपा की जीत नहीं होगी, बल्कि पूरे बंगाल की जीत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की अस्मिता की रक्षा की जाएगी और घुसपैठ को पूरी तरह रोका जाएगा।

इसके बाद अग्निमित्रा पाल ने भी पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा के घोषणापत्र में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि "दुर्गा शक्ति स्क्वॉड" का गठन किया जाएगा, जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद महिलाओं को न तो सुरक्षा मिली है और न ही सम्मान।

हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अग्निमित्रा पाल ने कहा कि बाबर के नाम पर मस्जिद बनाने की बात का वे विरोध करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी महान व्यक्ति जैसे पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नाम पर कोई निर्माण होता तो किसी को आपत्ति नहीं होती, लेकिन धर्म के आधार पर राजनीति करना उचित नहीं है। उन्होंने तृणमूल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में न तो रोजगार मिला, न ही बुनियादी सुविधाओं का विकास हुआ। केवल धर्म की राजनीति की गई है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग अब जागरूक हो चुके हैं और उन्हें रोजगार, घर, पानी और बेहतर बुनियादी ढांचा चाहिए। अग्निमित्रा पाल ने विश्वास जताया कि जनता बदलाव के लिए तैयार है और इस बार राज्य में सरकार बदलेगी। उन्होंने कहा कि वे लगातार जमीनी स्तर पर लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझ रही हैं और जनता भी साफ तौर पर कह रही है कि उन्हें तृणमूल सरकार नहीं चाहिए।

जापान का ऐसा बार, जहां महिलाओं से मार खाने का पैसा देते हैं ग्राहक

कोई भी इंसान अपने शहर या दूसरी जगहों के रेस्तरां या बार में अच्छा खाने के लिए जाता है. लेकिन जापान का एक बार ऐसा है, जहां पर ग्राहक महिलाओं के हाथों से मार खाने का पैसा देते हैं.

आप किसी भी रेस्तरां या बार में क्यों जाते हैं? अमूमन लोग इसका जवाब देंगे कि अच्छा खाने और अच्छी ड्रिंक पीने के लिए जाते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे बार के बारे में बताएंगे, जहां पर लोग खाने-पीने के साथ मार खाने के लिए भी जाते हैं. जी हां, जापान में एक ऐसा बार है, जहां पर पुरुष महिलाओं से मार खाने के लिए बार जाते हैं. जानिए आखिर इस बार में ये कल्चर कहां से आया और इसे इतना पसंद क्यों किया जा रहा है. किसी भी देश के बार या रेस्टोरेंट में लोग अच्छा खाने और घूमने के लिए ही जाना चाहते हैं. लेकिन आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि जापान के एक बार में लोग मार खाने के लिए जाते हैं. इतना ही नहीं ग्राहकों को मारने के लिए यहां पर कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है. ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं.

बता दें कि जापान के टोक्यो स्थित एक बार का नाम मसल गर्ल्स बार है, जो फिटनेस थीम पर बना है. इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं. इस बार में ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं. इतना ही नहीं ग्राहक जापानी येन खर्च करके मसल मनी खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है.

जानकारी के मुताबिक इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं. 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था. इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है. इतना ही नहीं स्क्वाट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है.

मार खाने के पैसे

इस बार में थप्पड़ खाने के बाद पुरुष ग्राहक अपनी परेशानियां भी भूल जाते हैं. जानकारी के मुताबिक हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे. हिकारु नामक एक जापानी ग्राहक ने कहा कि थप्पड़ खाने के बाद मैं अपनी सारी परेशानियां भूल गया था. इस बार में मेक्सिको, डेनमार्क और जर्मनी समेत कई देशों से ग्राहक आते हैं. पुरुषों के अलावा जापानी महिलायें भी इस बार में काम करने वाली महिलाओं को पसंद करती हैं.

आखिर विज्ञापनों में 10.10 का ही समय क्यों दिखाती हैं घड़ियां?

घड़ियों के विज्ञापन तो आपने बहुत देखे होंगे। अक्सर विज्ञापन वाली घड़ियों में 10.10 का ही समय दिखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है? कंपनियों के ऐसा करने के पीछे पांच कारण हो सकते हैं, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि 10 बजकर 10 मिनट पर घड़ी की सुइयां एक संतुलित आकार में होती हैं और मनोविज्ञान के अनुसार लोग संतुलित चीजों को ही देखना ज्यादा पसंद करते हैं। जब आप 10.10 के समय वाली घड़ी देखेंगे, तो आपको ऐसा लगेगा कि घड़ी मुस्कुरा रही है। आपने हंसने वाली स्माइली जरूर देखी होगी। घड़ी उस वक्त बिलकुल ऐसी ही प्रतीत होती है। घड़ी में जब 10 बजकर 10 मिनट हो रहे होते हैं, तब एक संकेत वहां दिखता है V का। ये संकेत विजय और जीत का होता है। इसीलिए घड़ी कंपनियां विज्ञापनों में इस समय को दिखाती हैं। 10 बजकर 10 मिनट पर घड़ी पर मौजूद बाकी सारी चीजें, जैसे ब्रांड का नाम, कंपनी का लोगो साफ-साफ दिखता है। इसलिए ये एक कारण भी हो सकता है घड़ी में अक्सर ये समय दिखाने का। कुछ लोगों का ऐसा भी मानना है कि जिस वक्त पहली घड़ी बनी थी, उस वक्त यही समय हो रहा था। इसलिए घड़ी का डिफॉल्ट समय 10.10 ही सेट कर दिया गया है।

इंग्लैंड के सर्कस म्यूजियम में रखी हुई है शापित कुर्सी

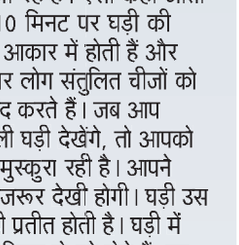

क्या कभी आपने मौत की कुर्सी देखी है। मतलब ऐसी कुर्सी, जिसपर बैठने वाले की मौत हो जाती है। यकीनन आपने ऐसी किसी कुर्सी के बारे में कभी नहीं सुना होगा, लेकिन हम आपको बता दें कि ऐसी रहस्यमयी कुर्सी इंग्लैंड में मौजूद है। इस कुर्सी को शापित कुर्सी माना जाता है। यह कुर्सी इंग्लैंड के सर्कस म्यूजियम में रखी हुई है। कहते हैं कि इसे जमीन से करीब छह फीट की ऊंचाई पर रखा गया है, ताकि गलती से भी इसपर कोई बैठ न जाए। बताया जाता है कि यह रहस्यमयी कुर्सी थॉमस बस्बी नाम के शख्स की है। थॉमस को यह कुर्सी इतनी पसंद थी कि वो उसपर किसी और को बैठा नहीं देख सकते। कहते हैं कि साल 1702 में थॉमस की इस पसंदीदा कुर्सी पर उनके ससुर बैठ गए थे, जिससे नाराज होकर थॉमस ने उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद से इस कुर्सी पर बैठने की हिम्मत किसी की नहीं हुई। कहा जाता है कि मरते समय थॉमस ने ये श्राप दिया था कि उनकी इस कुर्सी पर जो भी बैठेगा, उसकी मौत हो जाएगी। हालांकि बाद में लोगों ने इसपर कुछ खास ध्यान नहीं दिया। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान इस कुर्सी को एक पब में रखा गया था, जिसे हॉट सीट नाम दिया गया था। कहते हैं कि इस कुर्सी पर बैठने वालों की जब लगातार मौत होने लगी तो उसे वहां से हटा दिया गया। तब तक इसपर बैठ कर 60 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके थे। यह कुर्सी अभी भी रहस्यमयी बनी हुई है।

लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करता है ये जंगल

जापान की राजधानी टोक्यो से महज 2 घंटे दूर ऑकिगहरा नाम का एक जंगल है. यह एक ऐसी रहस्यमयी जगह है कई लोग आत्महत्या करने जाते हैं. लोगों का मानना है कि जंगल में भूत निवास करते हैं, जो आने वाले लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करते हैं.

जापान की राजधानी टोक्यो से महज 2 घंटे दूर एक जंगल के बाहर ऐसा ही साइनबोर्ड लगा हुआ है. आमतौर पर जंगल में खतरनाक जानवरों से सावधान रहने की सलाह दी जाती है. लेकिन जापान के ऑकिगहरा नाम के जंगल में लोगों को आत्महत्या न करने पर जोर दिया जाता है. आइए जानते हैं उस रहस्यमयी जगह के बारे में जो दुनिया के सबसे मशहूर सुसाइड पॉइंट में से एक है.

ऑकिगहरा जंगल लगभग 35 स्क्वायर किमी के बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है. यह इतना घना है कि इसे 'पेड़ों का समंदर' भी कहा जाता है. कई लोग यहां हाईकिंग करने और साफ हवा लेने आते हैं. लेकिन सभी पर्यटकों के इरादे इतने नेक नहीं होते. 2013-2015 के बीच यहां 100 से ज्यादा आत्महत्याओं की खबर आई थी. जापान की सरकार अब लोगों को आत्महत्या करने से रोकने के प्रयास में ऑकिगहरा में होने वाली आत्महत्याओं के आंकड़े नहीं देती है.

सुसाइड फॉरेस्ट

सेन फ्रांसिस्को के गोल्डन गेट ब्रिज के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा आत्महत्या के मामले ऑकिगहरा जंगल में आए हैं. यही वजह है कि इस जंगल को 'सुसाइड फॉरेस्ट' कहते हैं. हालांकि, यह हमेशा ऐसा नहीं था. इतिहास के पन्ने पलटें तो लगभग हजार साल पहले यहां बस बहता हुआ लावा था. दरअसल, साल 864 में जापान के माउंट फूजी में 6 महीने तक भयंकर विस्फोट हुआ था. उस दौरान आसपास के कई गांव दब गए. पिछले कई सौ सालों में, उस जमे हुए लावा की जगह एक उलझे हुए घने जंगल ने ले ली है. इसी जंगल को आज ऑकिगहरा नाम से जाना जाता है.

ऑकिगहरा जंगल में ही क्यों करते हैं आत्महत्या?

ऑकिगहरा का जिक्र 1960 की पॉपुलर शॉर्ट स्टोरी में भी है. कहानी प्रेमियों की एक जोड़ी पर केंद्रित है, जिन्हें समाज मिलने से रोकता है. अंत में मुख्य महिला पात्र जंगल में जाती है और अपनी जान ले लेती है. जापान में प्यार में जान देने वाली लोककथाएं पहले से ही काफी प्रचलित हैं. इन तरह की कहानियों ने उस सोच को और बल दिया है. लेकिन ऑकिगहरा जंगल में आत्महत्या करने की केवल ये एक वजह नहीं है. झ ऑकिगहरा जंगल लगभग 35 स्क्वायर किमी क्षेत्र में फैला हुआ है. 'जीने की इच्छा खत्म हो गई' 2009 में एक ऐसे व्यक्ति का इंटरव्यू किया था जिसने ऑकिगहरा में अपना जीवन खत्म करने की कोशिश की थी. उस शख्स के जीने की इच्छा खत्म हो गई थी. उसे उसकी नौकरी से निकाल दिया गया था और वो जंगल में आत्महत्या करके धरती से गायब होना चाहता था. हालांकि, वो इसमें कामयाब नहीं हो पाया. शख्स ने जंगल में पहुंचकर अपनी कलाई काटी थी लेकिन घाव घातक नहीं थे. वह बेहोश होकर लगभग मर गया था लेकिन एक यात्री ने उसे ढूंढ लिया और बचा लिया.

मायावी शक्तियों का असर

रहस्यमय जंगल में मायावी शक्तियों के होने का दावा भी किया जाता है. लोगों का मानना है कि जंगल में भूत निवास करते हैं, जो आने वाले लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर करते हैं. एक तर्क ये भी दिया जाता है कि ऑकिगहरा के घने जंगल में अगर कोई एक बार खो जाता है तो बाहर निकल पाना काफी ज्यादा मुश्किल होता है. यहां कंपस या फिर मोबाइल जैसे उपकरण भी काम नहीं करते. रास्ता मिलने से पहले कई लोग जंगली जानवरों के खाने का शिकार हो जाते हैं.

यहां होती है चमगादड़ों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई गांव में चमगादड़ों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि रात में गांव के बाहर किसी भी व्यक्ति के तालाब के पास जाने के बाद ये चमगादड़ चिल्लाने लगते हैं, जबकि गांव का कोई भी व्यक्ति के जाने के बाद चमगादड़ कुछ नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि यहां कुछ चमगादड़ों का वजन पांच किलोग्राम तक है। सरसई पंचायत के मुखिया बताते हैं कि सरसई के पीपलों के पेड़ों पर अपना बसेरा बना चुके इन चमगादडों की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। गांव के लोग न केवल इनकी पूजा करते हैं, बल्कि इन चमगादड़ों की सुरक्षा भी करते हैं। यहां के ग्रामीणों का शुभ कार्य इन चमगादड़ों की पूजा के बगैर पूरा नहीं माना जाता। जनश्रुतियों के मुताबिक, मध्यकाल में वैशाली में महामारी फैली थी, जिस कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। इसी दौरान बड़ी संख्या में यहां चमगादड़ आए और फिर ये यहीं के होकर रह गए। इसके बाद से यहां किसी प्रकार की महामारी कभी नहीं आई। चमगादड़ों के शरीर से जो गंध निकलती है, वह उन विषाणुओं को नष्ट कर देती है जो मनुष्य के शरीर के लिए नुकसानदेह माने जाते हैं। यहां के ग्रामीण इस बात से खफा हैं कि चमगादड़ों को देखने के लिए यहां सैकड़ों पर्यटक प्रतिदिन आते हैं, लेकिन सरकार ने उनकी सुविधा के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इतनी बड़ी संख्या में चमगादड़ों का वास न केवल अभूतपूर्व है, बल्कि मनमोहक भी है, लेकिन यहां साफ -सफाई और सौंदर्यीकरण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को पर्यटनस्थल के रूप में विकसित कराने के लिए पिछले 15 वर्षों से प्रयास किया जा रहा है, मगर अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर है दबाव : अश्विन

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को लेकर कहा है कि गायकवाड़ इस समय काफी दबाव में हैं, जिसके चलते वे न तो सही निर्णय ले पा रहे हैं और न ही अपनी बल्लेबाजी में प्रभाव छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण सीएसके की हालत भी खराब है और अंकतालिका में काफी नीचे है। इस सत्र में ऋतुराज अब तक खेली गई छह पारियों में केवल 82 रन बना पाये हैं, जिसमें उनका औसत सिर्फ 13.67 रहा है। यह आंकड़ा एक कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज के लिए निराशाजनक है और टीम प्रबंधन के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में भी गायकवाड़ बड़ी पारी खेलने में विफल रहे। इस मैच में गायकवाड़ ने 13 गेंदों पर सिर्फ 19 रन बनाए। हालांकि युवा बल्लेबाज आयुष ने पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम दबाव में आ गया, जिसका असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर भी साफ दिखा और रन गति धीमी पड़ गई। इससे अंत में टीम के हाथ से मैच निकल गया। अश्विन ने गायकवाड़ की खराब फॉर्म की असली वजह बताते हुए कहा, इस मैच में उनके लिए रन बनाने का सबसे अच्छा अवसर था। उन्हें ज्यादा जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी क्योंकि टीम पहले ही अच्छी शुरुआत कर चुकी थी। वह समय लेकर अपनी पारी को संभाल सकते थे पर ऐसा नहीं कर पाये। उन्होंने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि वह काफी दबाव में हैं और उनका दिमाग सही फैसले नहीं ले पा रहा है।गायकवाड़ से ही टीम को उनसे सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं और उनके असफल होने से अन्य खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। सीएसके ने सीजन की शुरुआत तीन लगातार हार के साथ की थी, हालांकि बाद में दो मैच जीतकर वापसी की, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ मिली हार ने एक बार फिर टीम का मनोबल गिरा दिया है। अश्विन के अनुसार टीम की कमान संभालने का बोझ और व्यक्तिगत प्रदर्शन में गिरावट से भी गायकवाड़ के खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के मार्गदर्शन की कमी भी उन्हें महसूस हो रही है। इससे उनकी उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हुई है।अब सीएसके का अगला मुकाबला 23 अप्रैल को मजबूत मुंबई इंडियंस के खिलाफ है। इसमें कप्तान को पूरी ताकत से उतरना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। ऐसे में गायकवाड़ को बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। जिससे की उसका अभियान पटरी पर आ सके।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दे सकती है बीसीसीसीआई

» घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवाओं को मिलेगा अवसर

एजेंसी, मुम्बई

अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से होने एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीसीआई आईपीएल खेल रहे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। विशेषकर उन टीमों के खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा जिनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में इनकी जगह पर घरेलू क्रिकेट खेल रहे युवा खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयन समिति इस बात पर नजर रखे हुए है कि कौन-से खिलाड़ी आईपीएल में कितने मैच खेल रहे हैं और उनकी टीम प्लेऑफ तक पहुंचती है या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता खिलाड़ियों की फिटनेस और काम के बोझ को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन करेंगे। खासकर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जाना तय है। अगर उनकी आईपीएल टीम जैसे गुजरात टाइटंस या मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंचती हैं, तो इन खिलाड़ियों का टेस्ट खेलना कठिन हो सकता है। ये टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से नहीं जुड़ा है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी प्रकार का जोखिम नहीं चाहता। जहां बुमराह को आराम दिया जान तय है। वहीं कप्तान शुभमन स्वयं इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में कई युवा घरेलू खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके तहत ही गुरनूर बराड़, मानव सुथार, आकिब नबी, नितीश कुमार रेड्डी और हर्ष दुबे जैसे खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ ये टेस्ट मैच आईपीएल के बाद खेला जाएगा। इसके बाद टीम अगानिस्तान के खिलाफ 3 एकदिवसीय के अलावा आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीमिति ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम को जिम्बाब्वे का दौरा भी करना है। इसी को देखते हुए बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को रोटेशन के तहत आराम देना चाहता है।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खानः फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, "मुझे ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा."<उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

कोनोली ने बताया पंजाब किंग्स की सफलत का राज

एजेंसी, मुल्लांपुर

आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे पंजाब पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने कहा है कि टीम के अंदर काफी अच्छा माहौल है और सभी एकदूसरे की सहायता कर रहे हैं उसी कारण टीम जीत रही है। साथ ही कहा कि सभी को एकदूसरे के मजबूत पक्ष से सीखने को मिला रहा है। कोनोली ने कहा, हम सभी इस बात पर विचार करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या फायदेमंद है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने से लाभ भी हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी बेहतर होने का प्रयास कर रहे हैं। खेल का भी लक्ष्य होता है कि एक सर्वश्रेष्ठ टीम बनायी जाये। हम एक टीम के रूप में एक-दूसरे से सीख कर अपनी कमियों को दूर कर रहे हैं। कोनोली ने कहा कि टीम की सफलता में कप्तान श्रेयस अय्यर की भी अहम भूमिका है। श्रेयस काफी अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। पंजाब इस सत्र में अब अब अपने 6 में एक भी मैच नहीं हारी है। वह पांच मैच जीती है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। टीम अंक तालिक में अभी नंबर एक पर है। कोनोली ले कहा, श्रेयस स्वयं आगे रहकर टीम को प्रेरित करते हैं। वह हमेशा यह प्रयास करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी उत्साहित होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

बीच के ओवरों में जरुरत से ज्यादा रन दिये

एजेंसी, मुम्बई

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया।

मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, "अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंगे। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।" वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

संक्षिप्त

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं: मॉर्गन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्मविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं। टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने जो रणनीति बनायी है सभी खिलाड़ी उसपर चल रहे हैं। वहीं कूपर कोनोली की बल्लेबाजी पर मॉर्गन ने कहा कि वह अभी सिर्फ 22 साल का है और यहां किसी परिपक्व बल्लेबाज की तरह खेल रहा है।

गुजरात पर जीत से मुंबई इंडियंस ने लगायी तीन पायदान की छलांग

सातवें नंबर पर पहुंची

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली 99 रनों की जीत से मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 की अंकतालिका में भी खास लाभ मिला है। इस जीत से मुंबई की टीम अंक तालिका में तीन स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई के अब छह मैचों में 4 अंक हो गये हैं। इस जीत से वह चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं से भी आगे हो गयी है। केकेआर के अब तक 7 मैचों में 3 अंक ही हैं, जबकि सीएसके और सुपर जायंट्स के भी मुम्बई के बराबरी ही 4-4 अंक हैं पर बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई उनसे आगे है। वहीं गुजरात टाइटंस 6 अंक के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

ऑरेंज कैप : हेनरिक क्लासेन– वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन छह मैचों में 283 रनों के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल हैं। गिल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 रन बनाए जिससे उनके पांच मैचों में कुल 265 रन हैं। आरसीबी के विराट कोहली 247 रन के साथ तीसरे जबकि राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार 230 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

पर्पल कैप : अंशुल कम्बोज– सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। कम्बोज नेछह मैचों में 13 विकेट लिए हैं। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 12 विकेट के साथ ही दूसरे जबकि कसीगो रबाडा कुल 10 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

बीसीसीआई एक साथ दो टी20 टीमें उतरने की योजना बना रहा

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दो दो अलग-अलग टी20 टीमें बनाने पर विचार कर रहा है। जिससे की व्यस्त कार्यक्रम के दौरान एक साथ दो टीमों को खेलने भेजा जा सके। इस साल भारतीय टीम को कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज खेलने हैं और इस दौरान तारीखों में टकराव की संभावना है। इसके अलावा बोर्ड चाहता है कि देश में जिस प्रकार से उभरती हुई प्रतिभाएं सामने आ रही है। ऐसे में दो टीमें बनाने से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकेगा। अगर ये योजन अमल में आती है तो इससे न केवल अधिक से अधिक प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन में भी आसानी रहेगी। दो टीम तैयार करने की योजना के पीछे बीसीसीआई का मुख्य उद्देश्य देश में उपलब्ध क्रिकेट प्रतिभाओं को भी अवसर देना है। बोर्ड का लक्ष्य 30-35 खिलाड़ियों का एक मजबूत पूल तैयार करना है, जिससे एक साथ दो अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमें तैयार की जा सकें। इसका साफ है कि अब पहले से कहीं अधिक खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गहराई दोनों बढ़ेगी। इस साल के अंत में होने वाले कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के कार्यक्रम को देखते हुए भी यह फैसला और भी अहम हो जाता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, इस साल एशियाई खेल और भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर आयोजित होने जा रही हैं। ऐसे में हमें दो अलग-अलग टीमों को उतारना होगा। अधिकारी ने आगे कहा, इसके लिए अभी से ही 30-35 खिलाड़ियों का एक एक अच्छा पूल तैयार करना जरुरी है, जिसके खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए शामिल किया जा सके। इसके तहत आयरलैंड दौरे के लिए भी खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल रखा जाएगा, और एशियाई खेलों के लिए भी यही नीति लागू होगी। अभी तक ये पता नहीं चला है कि ये 30-35 खिलाड़ियों के पूल में किन खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा पर ये तय है कि घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। वहीं वे खिलाड़ी जो नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें इस पूल में प्राथमिकता दी जाएगी।इस पूल के बनने से यह पहल भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ और मजबूत होगी जिससे चोट या फॉर्म में गिरावट की स्थिति में हमेशा सक्षम विकल्प मौजूद रहेंगे। दो

आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए 26 अप्रैल को इन्द्रूनाग के दर पंहुचेगी एचपीसीए

एजेंसी, धर्मशाला

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में मई माह में होने वाले आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन 26 अप्रैल को इन्द्रू नाग देवता के दर में पूजा अर्चना करेगी। इस दौरान एचपीसीए द्वारा मंदिर में सुबह हवन, यज्ञ और पूजा का आयोजन जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में कन्या पूजन और एक भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में किसी भी स्तर के मैच होने से पूर्व एचपीसीए हर बार धर्मशाला के खनियारा स्थित बारिश के देवता इन्द्रू नाग के दर पंहुचकर पूजा और हवन का आयोजन करती है। वहीं मैच के सफल आयोजन के बाद इन्द्रू नाग का आभार जताने के लिए भी पूजा की जाती है। मैच के दौरान किसी भी तरह से मौसम का खलल न पड़े इसके लिए ही इन्द्रू नाग देवता के मंदिर में पूजा पाठ का आयोजन होता है। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के सफल आयोजन के लिए 26 अप्रैल को स्थानीय देवता इन्द्रू नाग के मंदिर में पूजा और हवन किया जाएगा इसके बाद कन्या पूजन और भंडारे का भी आयोजन भी किया जाएगा। वहीं उन्होंने मैचों की तैयारियों को लेकर कहा कि तैयारियां जोरों पर हैं। इन मैचों को सफल बनाने के लिए हर बार की तरह सभी तैयारियों को पूरा किया जा रहा है। बात चाहे आउटफील्ड की हो या फिर पिच की सभी तैयारियां चल रही हैं।

धर्मशाला में आईपीएल के खेले जाएंगे तीन मैच–धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में इस सीजन के तीन आईपीएल मैच खेले जाने हैं। पंजाब किंग्स के होम ग्राउंड धर्मशाला में पंजाब 11 मई को अपना पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलेगा। वहीं 14 मई को पंजाब की भिड़ंत मुंबई इंडियंस के साथ होगी। यह दोनों मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होंगे। वहीं 17 मई को पंजाब और आरसीबी के बीच खेले जाने वाला मैच दिन में साढ़े तीन बजे से शुरू होगा।

वाइटैलिटी ब्लास्ट से पीटर सिडल ने नाम वापस लिया, नॉटिंघमशायर को झटका

एजेंसी, लंदन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज पीटर सिडल ने निजी कारणों के चलते इस साल के वाइटैलिटी ब्लास्ट टी20 टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे नॉटिंघमशायर टीम को बड़ा झटका लगा है। इस गर्मी में पूरे टूर्नामेंट के लिए ट्रेंट ब्रिज लौटने वाले 41 वर्षीय सिडल इससे पहले वह 2014 में नॉटिंघमशायर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप में खेल चुके हैं। उस सीजन में उन्होंने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 37 विकेट लेकर टीम को प्रथम डिवीजन में चौथे स्थान पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।पीटर सिडल अपने काउंटी करियर के दौरान डरहम, एसेक्स, लंकाशायर और समरसेट जैसी टीमों का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट में एक अनुभवी खिलाड़ी माने जाते हैं। नॉटिंघमशायर के क्रिकेट निदेशक मिक न्यूवेल ने कहा कि हमें निराशा है कि सिडल इस गर्मी में टीम के साथ नहीं जुड़ पाएंगे। हम उनके अनुभव और कौशल का लाभ उठाने के लिए उत्साहित थे। उन्होंने आगे कहा कि टीम अब टूर्नामेंट के लिए एक उपयुक्त विकल्प खिलाड़ी की तलाश करेगी। सिडल के हटने के बाद नॉटिंघमशायर की टीम संतुलन पर असर पड़ सकता है, खासकर टी20 प्रतियोगिता में उनके अनुभव की कमी महसूस होगी।

जैकलीन की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली

अब 8 मई को होगा फैसला

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

अक्षय के छूटे पसीने!

वामिका गब्बी के 'बेतुके' जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, 'सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे?' इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, 'फार्मेसी। ' इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, 'दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों?' जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, 'क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा - 'ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है?' उन्होंने जवाब दिया, 'नागालैंड '। ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, 'बस करो यार। ' वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 'प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें। ' ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म की रिलीज टली

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर रिलीज हुआ। इसमें फिल्म से जुड़ी जानकारी और बदली हुई रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

साउथ फिल्म 'आरआरआर' और बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' में अपने एक्शन से जूनियर एनटीआर ने सबको अपना कायल बना दिया था। आगे भी उनका एक्शन अंदाज फैंस को देखने को मिलेगा। वह अपनी नई एक्शन भी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। मंगलवार को मेकर्स ने जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। साथ ही बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी?

एक्टर के जन्मदिन पर मिलेगी फिल्म की पहली झलक

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर में उनका इंटेंस लुक नजर आ रहा है। साथ ही इसकी पहली झलक या टीजर दर्शकों को 20 मई को देखने को मिलेगा। यह दिन मेकर्स ने इसलिए चुना है क्योंकि इस दिन जूनियर एनटीआर का जन्मदिन होता है। इस फिल्म को प्रशांत नील निर्देशित करेंगे।

कब रिलीज होगी जूनियर एनटीआर की फिल्म?

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म पहले 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह टल गई है। जूनियर एनटीआर की फिल्म की नई रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। अब यह फिल्म अगले साल तक बनकर तैयार होगी। मेकर्स ने पोस्टर पर ही 11 जून 2027 की तारीख दी है।

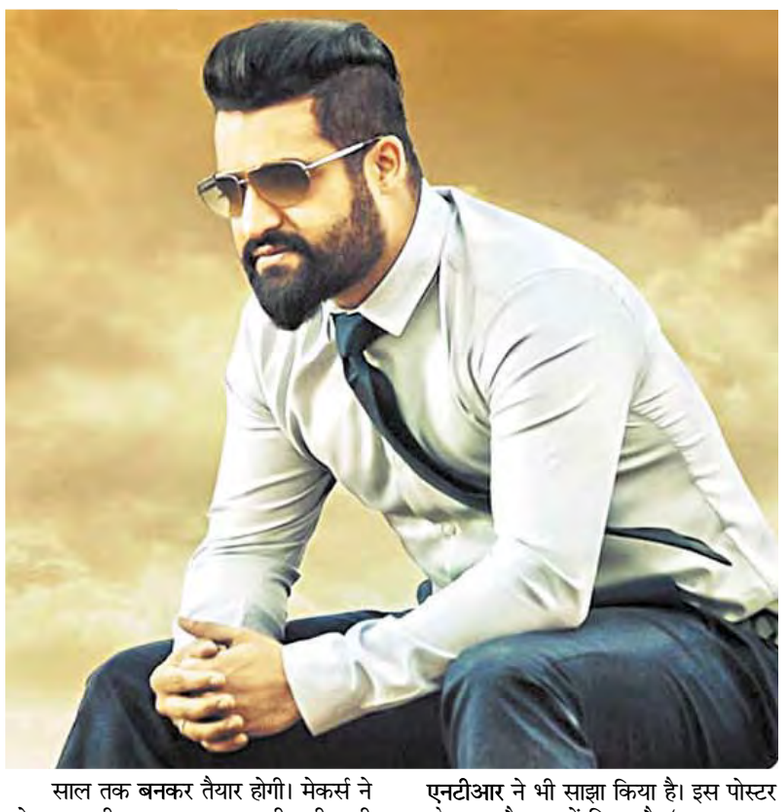

फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया हिंट

फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर जूनियर एनटीआर ने भी साझा किया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'उसका राज, उसकी धरती।' इस एक लाइन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह फिल्म में कोई दमदार किरदार करेंगे। साथ ही इस फिल्म में एक्शन की डबल डोज भी दर्शकों को मिल सकती है।

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा पर टूटा दुखों का पहाड़, दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म 'सतरंगा' में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया। ' अनीत पड्डा ने लिखा, 'आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी। अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

पहली बार इस एक्टर संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

फिल्म की स्टार कास्ट

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

'अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी 'है जवानी तो इश्क होना है'? डायरेक्टर बोले-

डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए।

राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, 'मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था। ' उन्होंने आगे कहा, 'जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। ' अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। ' अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है।